राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 97 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | रायपुर, मंगलवार 03 जून 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

आईआईटी के पास पुल से गिरी गाड़ी पंजाब के पांच लोगों की मौत

मंडी। हिमाचल के मंडी जिले में सुबह एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां आईआईटी के पास नए पुल से पंजाब के लोगों की गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर कार्रवाई आरंभ कर दी है। प्रारंभिक सूचना के मुताबिक पंजाब नंबर की गाड़ी पीबी 02 ईजी 4543 नंबर आईआईटी की ओर जा रही थी। इसमें 6 लोग सवार थे। गाड़ी वहां बने नए पुल, जिसका उद्घाटन नहीं हुआ था, उस पर उतर गई। एकदम उतराई के बाद पुल पर मुड़ने से चालक से गाड़ी नियंत्रित नहीं हुई और रेलिंग पर चढ़ गई। गाड़ी में सवार पांच लोग ऊहल नदी और सड़क पर गिरे जिससे उनकी मौत हो गई। जबकि एक घायल है। अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि ये सब्जी की सप्लाई लेने के लिए कुल्लू की ओर जा रहे थे। एसएचओ पद्धर सौरभ ने बताया कि पुलिस हादसे के कारणों की जांच नहीं हो पाई है।

ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तान की कमर तोड़ दी: दिलीप घोष

कोलकाता। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भोपाल में पीएम मोदी के संबोधन पर भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान की कमर तोड़ कर रख दी है। पाकिस्तान अगर फिर से कुछ करने की सोचेगा तो हमारी सेना तैयार है दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा नेता ने कहा ऑपरेशन सिंदूर की ताकत क्या है इसे हमारी सेना ने पाकिस्तान को दिखा दिया है। पाकिस्तान से आए आतंकवादी, उनकी पूरी सेना और सैन्य नेतृत्व, आतंकवादी के अलावा और कुछ नहीं हैं। हम उनके असली इरादों को अच्छी तरह समझ चुके हैं। और हमारी सेना ने इसका कड़ा जवाब दिया है। इससे दुनिया को भारतीय सशस्त्र बलों की ताकत और सिंदूर की असली कीमत पता चल गई है। पाकिस्तान को अब यह बात पूरी तरह से समझ में आ गई है। भाजपा नेता ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कुछ घंटों में पाकिस्तान को यह समझ

पीएम मोदी ने आईएटीए की वार्षिक बैठक को किया संबोधित

भारत वैश्विक विमानन क्षेत्र का उभरता हुआ लीडर-मोदी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आईएटीए (अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ) के सालाना आम बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय विमानन क्षेत्र वैश्विक हवाई परिवहन उद्योग में एक प्रमुख इकाई है। उन्होंने कहा कि विमानन क्षेत्र के लिए भारत के पास एक बाजार, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष के लिए प्रतिभा और मुक्त एवं सहयोगी नीति मौजूद है। पीएम ने दावा किया कि भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा घरेलू नागर विमानन बाजार है। भारत विश्वस्तरीय हवाई अड्डों में निवेश कर रहा है, हवाई अड्डों की संख्या 74 से बढ़कर 162 हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए सरकार सभी कदम उठा रही। विमानों की मरम्मत एवं रखरखाव (एमआरओ) एक उभरता हुआ क्षेत्र, भारत को 2030 तक एमआरओ का एक वैश्विक केंद्र बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि आज हम एक ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहाँ हमारी यात्रा योजना सिर्फ़ धरती के शहरों तक ही सीमित नहीं है। आज इंसान अंतरिक्ष उड़ानों और अंतरग्रहीय यात्राओं का व्यवसायीकरण करने और उन्हें नागरिक उड्डयन के लिए खोलने का सपना देख रहा है। यह सच है कि इसमें अभी कुछ समय है, लेकिन यह बताता है कि आने वाले समय में एविएशन सेक्टर कितना बड़ा परिवर्तन और इनोवेशन का केंद्र बनने वाला है। मोदी ने कहा कि भारत इन सभी संभावनाओं के लिए तैयार है। मैं भारत के तीन मजबूत स्तंभों का उल्लेख

करता हूँ जो इसके लिए आधार हैं- पहला, भारत के पास बाज़ार है। यह बाज़ार सिर्फ़ उपभोक्ताओं का समूह नहीं है, बल्कि भारत के आकांक्षी समाज का प्रतिबिंब भी है। दूसरा, हमारे पास प्रौद्योगिकी और नवाचार के लिए जनसांख्यिकी और प्रतिभा है। हमारे युवा नए युग के नवोन्मेषक हैं जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सफलताएँ ला रहे हैं। तीसरा, हमारे पास उद्योग के लिए खुली और सहायक पारिस्थितिकी तंत्र नीति है। इन तीन क्षमताओं के आधार पर हमें भारत के एविएशन सेक्टर को नई ऊंचाइयों पर ले जाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में भारत ने नागरिक उड्डयन क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार है। हमारी उड़ान योजना की सफलता भारतीय नागरिक उड्डयन का एक स्वर्णिम अध्याय है। इस योजना के तहत 15 मिलियन से अधिक यात्रियों को किफायती हवाई यात्रा की सुविधा मिली है। कई नागरिकों ने पहली बार हवाई यात्रा की। हमारी एयरलाइंस भी लगातार दोहरे अंकों की वृद्धि हासिल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय और विदेशी एयरलाइंस को मिलाकर हमारे देश में हर साल लगभग 240 मिलियन यात्री हवाई यात्रा करते हैं...

2030 तक यह संख्या 500 मिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है... : हम विश्व स्तरीय हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे में निवेश कर रहे हैं। 2014 तक भारत में 74 परिचालन हवाई अड्डे थे। आज यह संख्या बढ़कर 162 हो गई है। भारतीय वाहकों ने 2000 से अधिक विमानों के ऑर्डर दिए हैं यह न केवल भौगोलिक सीमाओं को पार करेगा, बल्कि इसे स्थिरता, हरित गतिशीलता और न्यायसंगत पहुंच की दिशा में भी ले जाएगा।

नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने सोमवार को भारतीय विमानन क्षेत्र के विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश का लक्ष्य अगले पांच साल में 50 अतिरिक्त हवाई अड्डों का विकास करना है। देश में फिलहाल 162 हवाई अड्डे हैं जो 2014 में मौजूद 74 हवाई अड्डों की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं।

नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी कामयाबी

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 16 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, केरलापेंदा गांव हुआ माओवाद मुक्त

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के नक्सल विरोधी प्रयासों में एक महत्वपूर्ण सफलता तब मिली जब छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सोमवार को कुल 25 लाख रुपए के इनामी 16 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से नौ नक्सली चिंतलनार पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत केरलापेंदा ग्राम पंचायत के हैं। इस आत्मसमर्पण के साथ ही यह गांव नक्सलवाद से मुक्त हो गया है। राज्य सरकार की नई योजना के अनुसार नक्सल मुक्त ग्राम पंचायत को विकास परियोजनाओं के लिए एक करोड़ रुपया प्रदान किया जाएगा। सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि एक महिला समेत सभी 16 नक्सलियों ने माओवादियों की अमानवीय विचारधारा और स्थानीय आदिवासियों पर नक्सलियों के अत्याचारों से तंग आकर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। चव्हाण ने बताया कि नक्सली राज्य सरकार की नियद नेल्लानार (आपका अच्छा गांव) योजना से भी प्रभावित हैं। इस योजना का उद्देश्य दूरदराज के गांवों में विकास कार्यों को सुविधाजनक बनाना है। अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वालों में माओवादियों की केंद्रीय क्षेत्रीय समिति (सीआरसी) कंपनी नंबर दो की सदस्य रीता उर्फ डोडी सुक्की (36) और माओवादियों की पीएलजीए बटालियन नंबर एक के एक पार्टी सदस्य राहुल पुनेम (18) के सर पर आठ—आठ लाख रुपए का इनाम था। उन्होंने बताया कि इसके अलावा लेकम लखमा (28) पर तीन लाख रुपये तथा तीन अन्य नक्सलियों के सर पर दो—दो लाख रुपए इनाम था। अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से नौ केरलापेंदा ग्राम पंचायत के हैं। उनके आत्मसमर्पण के बाद, यह ग्राम पंचायत नक्सल मुक्त हो गयी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की एलवद पंचायत योजना के अनुसार, गांव को विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रुपये का प्रोत्साहन दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ की नई नक्सल आत्मसमर्पण/पीड़ित सहायता एवं पुनर्वास नीति-2025 के तहत राज्य सरकार ने 'एलवद पंचायत योजना' शुरू की है, जिसमें उन ग्राम पंचायतों के लिए एक करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत करने का प्रावधान है, जो अपने क्षेत्र में सक्रिय नक्सलियों को आत्मसमर्पण कराने में मदद करेंगे तथा खुद को माओवाद मुक्त घोषित करने का प्रस्ताव पारित करेंगे। राज्य सरकार द्वारा हाल ही में प्रोत्साहन योजना शुरू किए जाने के बाद जिले में यह दूसरी ऐसी ग्राम पंचायत है, जो इस समस्या से मुक्त हुई है। इस वर्ष अप्रैल माह में बड़ेसट्टी ग्राम पंचायत को नक्सल मुक्त घोषित किया गया था, जब वहां के सभी नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को 50 हजार रुपए की सहायता प्रदान की गई है तथा सरकार की नीति के अनुसार उनका पुनर्वास किया जाएगा। पिछले वर्ष बस्तर क्षेत्र में 792 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। बस्तर में सुकमा सहित सात जिले शामिल हैं।

मेरी सफलता की कुंजी है खुशी : रजित

जेईई एडवांस्ड एग्जाम में कोटा के रजित गुप्ता बने ऑल इंडिया टॉपर

नई दिल्ली। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) एडवांस्ड 2025 के रिजल्ट में रजित गुप्ता ने टॉप किया है। आईआईटी दिल्ली जोन के रजित ने 360 में से 332 अंक प्राप्त करके अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस साल की परीक्षा का आयोजन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर द्वारा कराया गया था। अपनी सफलता से उत्साहित रजित ने कहा कि खुशी मेरी सफलता की कुंजी है। मैं हर स्थिति में खुश रहता हूं। मैं पढ़ाई के लिए कभी भी सख्त शेड्यूल का पालन नहीं करता था,

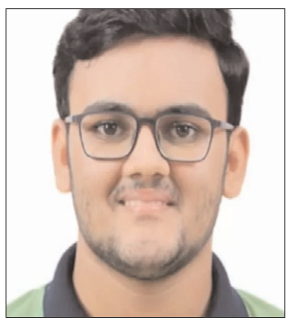

क्योंकि इससे अनावश्यक दबाव बनता है। इसलिए मैं तभी पढ़ता था जब मेरा मन करता था, लेकिन मैं जितने समय भी पढ़ता था, अच्छी तरह से पढ़ता था। रजित ने देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस्ड में ऑल इंडिया रैंक 1 हासिल कर कॅरियर सिटी कोटा नाम एक बार फिर विश्व पटल पर रोशन किया। वे कोटा के रहने वाले हैं। इससे पहले जेईई मेन जनवरी सेशन में 100 परसेन्टाइल एवं जेईई मेन अप्रैल सेशन में भी ऑल इंडिया रैंक 16 हासिल कर उन्होंने कोटा का मान बढ़ाया था। रजित ने 10वीं कक्षा 96.8 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की थी। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट कोटा के रेगुलर क्लासरूम स्टूडेंट राजित ने कहा कि एलन में पढ़ाई के दौरान सबसे ज्यादा फोकस रहता था कि गलतियों को रिपीट नहीं करूं, क्योंकि गलतियां दूर होने से ही आपकी सब्जेक्ट में नींव मजबूत होती है। मेरा की ऑफ सक्सेस है, हैप्पीनेस। हर हाल में खुश रहता हूं। जब भी मौका मिलता है तो कॉलोनी के बच्चों के साथ खेलता हूं। अपनी तैयारी को लेकर कॉन्फिडेंट रहता हूं। हालांकि, मैंने कभी पढ़ाई को लेकर स्ट्रिक्टली शेड्यूल फॉलो नहीं किया, क्योंकि इससे बिना मतलब प्रेशर पड़ता है। इसलिए जब मन होता था, तभी पढ़ता था लेकिन जितनी देर भी पढ़ता था।

बाढ़ की चपेट में पूर्वोत्तर के कई राज्य

शाह ने हर संभव मदद का दिया आश्वासन.....

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर के कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही। लगातार भारी बारिश से हज़ारों लोग प्रभावित हुए और केंद्र की ओर से उच्चस्तरीय प्रतिक्रिया की ज़रूरत पड़ी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ मणिपुर के राज्यपाल से बात की और उन्हें संकट से निपटने के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। अमित शाह ने एक्स को लिखा कि असम, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों और मणिपुर के राज्यपाल से उनके राज्यों में जारी भारी बारिश के मद्देनजर बात की। साथ ही उन्हें किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। मोदी सरकार पूर्वोत्तर के लोगों के समर्थन में चट्टान की तरह खड़ी है।अधिकारियों के अनुसार, असम के 15 से ज़्यादा ज़िलों में 78,000 से ज़्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। ब्रह्मपुत्र और बराक समेत दस प्रमुख नदियाँ ख़तरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिसके कारण केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने 'ऑरेंज बुलेटिन' जारी किया है।

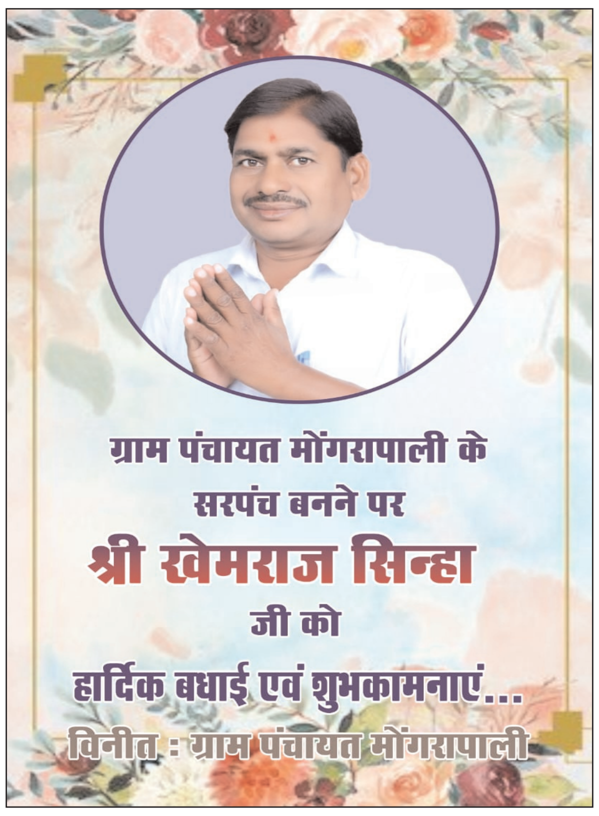

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने पटवारी और आरआई की बैठक ली, लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन) राजस्व कार्यों में गति लाने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के सारंगढ़ और बिलाईगढ़ अनुविभाग के पटवारी और राजस्व निरीक्षक की दो पाली में बैठक ली। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर अशोक मारबल सहित सांख्यिकी अधिकारी संजय टोप्पो उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि राजस्व कार्यो में आम जनता, किसान या कोई भी आवेदक बेवजह परेशान ना हो यदि एसडीएम तहसीलदार की ओर से अभिलेख दुरुस्ती या अन्य कोई आदेश किया गया है तो उसका क्रियान्वयन राजस्व निरीक्षक (आरआई) और पटवारी के माध्यम से किया जाना चाहिए। उन कार्यों को पेंडिंग नहीं रखना है और यदि इसप्रकार की लापरवाही की जाती है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। कोटवार राजस्व कार्यों के दौरान कार्यस्थल में दिखना चाहिए। पटवारी अतिक्रमण के प्रारंभिक चरण नींव के दौरान ही अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करें। सभी पटवारियों को निर्देशित किया गया कि अपने हल्का मुख्यालय में एक निश्चित कार्य दिवस का पोस्टर, पटवारी कार्यालय में चिपकाए और कार्य के नियत समय में उपस्थित होकर आने वाले सभी प्रकरणों का निराकरण करें।

बैठक में कलेक्टर ने राजस्व विभाग के मैदानी आधार स्तंभ पद पटवारी और राजस्व निरीक्षक के महत्व को बताते हुए कहा कि अपने पदीय दायित्व में बड़ी जिम्मेदारी है, उसका बखूबी निर्वहन करें। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि राजस्व प्रकरणों में पटवारी प्रतिवेदन का अहम रोल है जिसे सभी पटवारी गंभीरतापूर्वक मौके पर पहुंचकर विस्तृत प्रतिवेदन उच्च अधिकारियों को सौंपेंगे।

विभागीय कार्यों जिसमें नक्शा बटानकन में प्रगति लाएं। प्रत्येक पटवारी को प्रति दिवस 15 खसरों का नक्शा बटानकन कर लक्ष्य प्रदान किया गया।

बैठक में कलेक्टर के द्वारा भू-अभिलेखों की शुद्धता सुनिश्चित करने संकलन हेड शेष खसरे, विलोपन योग्य संदिग्ध खसरा, शून्य रकबा, वाले खसरे में त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार अभिलेखों के मिलान एवं सत्यापन पश्चात् सक्षम अधिकारी तहसीलदार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने निर्देशित किया गया।

नामांतरण, बटवारा, त्रुटि सुधार के प्रकरण में आदेश पारित होने उपरांत नियत समय 7 दिवस में अभिलेख दुरुस्त करने निर्देशित किया गया। भुईयां पोर्टल में सभी खाता धारकों के आधार सीडिंग, मोबाइल नंबर, जेण्डर तथा किसान किताब प्रविष्टि एवं सभी खसरों में शत प्रतिशत डिजिटल हस्ताक्षर करने निर्देशित किया गया। प्राकृतिक आपदा आरबीसी 6(4) के प्रकरणों में किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा- जनहानि, फसल, पशुधन होने पर पटवारी स्वप्रेरणा से प्रतिवेदन तहसील को प्रदाय करें पीड़ित परिवार के हित ?ग्राही को लाभ मिल सके। गाँव में सभी शासकीय भूमियों का चिन्हांकन कर भूमिबैंक तैयार करने तथा अतिक्रमण की जानकारी संबंधित तहसीलदार को दिया जाये। वन अधिकार मान्यता पत्रकधारी के भौतिक नामांतरण की कार्रवाई तत्काल करते हुए भूअभिलेख में अद्यतन कर उनका आधार संख्या और मोबाइल नंबर दर्ज किया जाए। इसी प्रकार सीमांकन की कार्रवाई बिना देरी के पारदर्शी तरीके से करें।

संक्षिप्त समाचार

अपोलो की हेल्थ अफद नेशन 2025 रिपोर्ट ने बिलासपुर में एनसीडी की भारी व्यापकता पर प्रकाश डाला

बिलासपुर। अपोलो हस्पिटल्स ने हाल ही में अपनी हेल्थ अफद नेशन 2025 रिपोर्ट लन्च की। इस रिपोर्ट में स्पष्ट संदेश दिया गया है कि लक्षणों की प्रतीक्षा न करें-निवारक स्वास्थ्य को अपनी प्राथमिकता बनाएं। भारत में अपोलो इकोसिस्टम में की गयी, 2.5 मिलियन से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच के आधार पर, यह रिपोर्ट एक मूक महामारी का खुलासा करती है लाखों लोग लंबे समय से बीमारियों से पीड़ित हैं, फ्रि भी उनका निदान नहीं किया गया है और उन्हें कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं दे रहे हैं। ध्यान देने लायक बात है, 26प्रतिशत लोग बिना स्पष्ट लक्षण के भी उच्च रक्तचाप से पीड़ित पाए गए और 23प्रतिशत मधुमेह से पीड़ित पाए गए। इससे यह रेखांकित होता है कि लक्षणों के आधार पर दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवा का मडल अब व्यवहार्य नहीं है।

ड. मंधार गोकाटे, एमडी फ्रिजिशियन हेल्थ चेक्स, अपोलो हस्पिटल बिलासपुर ने कहा हेल्थ अफ़ द नेशन रिपोर्ट में निवारक जांच की आवश्यकता पर ज़ोर दिया गया है और कहा गया है कि यह जांच जीवन की बेहतर गुणवत्ता की ओर ले जा सकती है। जांच किए गए 65प्रतिशत लोगों में फैटी लीवर पाया गया, उनमें से 85प्रतिशत शराब नहीं पीते थे; यह नए निदान और बड़े पैमाने पर बीमारी की जल्द से जल्द पहचान की आवश्यकता को दर्शाते हैं। पारंपरिक जांच अब पर्याप्त नहीं है। अपोलो के निवारक स्वास्थ्य जांच पैकेज लोगों को अपने स्वास्थ्य पर नियंत्रण रखने के लिए सशक्त बना सकते हैं। रोकथाम भारत का सबसे बड़ा स्वास्थ्य सेवा समाधान है और अपोलो का मिशन निवारक स्वास्थ्य को देश के सभी लोगों तक पहुंचाना है।

अपोलो हस्पिटल्स बिलासपुर के ड. मंधार गोकाटे, ने कहा हेल्थ अफद नेशन 2025 रिपोर्ट बच्चों में मोटापे और प्री-हाइपरटेंशन की बढ़ती दरों को रेखांकित करती है, जो बेहद चिंताजनक है। ये केवल आंकड़ें नहीं हैं बल्कि संकेत हैं कि हमें तेजी से कदम बढ़ाने होंगे। एक अग्रणी संस्थान होने के नाते, अपोलो हस्पिटल्स पूरे देश में व्यक्तियों और समुदायों के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

देश में गूंजे आयोडीन की धुन नमक हो टाटा का, टाटा नमक

नईदिल्ली। पहले कैंपेन 'नमक हो टाटा काज टाटा नमक' को उपभोक्ताओं से मिले प्यार से प्रेरित होकर, देश में आयोडीन युक्त नमक के नंबर 1 ब्रांड टाटा साल्ट ने, 'नमक हो टाटा काज टाटा नमक' के दूसरे संस्करण को आईपीएल फइनल में लांच किया है। देश भर में लोगों का टाटा नमक से प्यार, और जुड़ाव को और गहरा बनाता ये कैंपेन, ब्रांड की प्रतिष्ठित जिंगल को, ब्रांड के उद्देश्य से जोड़ते हुए, एक नए सिरे से पेश कर रहा है। नए कैंपेन में दिल को छू लेने वाली 8 शानदार ब्रांड फिल्में हैं, जो पुरानी यादों को ताज़ा करते हुए एक महत्वपूर्ण संदेश देती हैं: टाटा नमक, आयोडीन की सही मात्रा से बच्चों के मानसिक विकास में सहायता करता है, जिससे देश का भविष्य और भी सशक्त बनता है। 'देश का नमक' के दर्जे को और भी मजबूत करते हुए, यह अभियान एक मनोरंजक और मधुर अंदाज़ में टाटा नमक की गुणवत्ता और भरोसे को उजागर करता है।

ओगिल्वी द्वारा परिकल्पित, इस कैंपेन में ज़िंदगी के रोज़मर्रा के पल दिखाए गए हैं ङ्क लोरी सुनाती हुई माँ, क्लासरूम में पढ़ाती हुई टीचर, या एक हँसता-खिलखिलाता परिवार, हर दृश्य में टाटा नमक एक अहम साथी के रूप में मौजूद है ङ्क ऐसा साथी जो सालों से हर भारतीय रसोई का हिस्सा रहा है।

भारतीय संस्कृति की जड़ों से जुडी ये फिल्में, हिंदी भाषी क्षेत्रों के घरेलू माहौल, बंगाल के भावनात्मक क्षणों और मराठी घरों की आत्मीय संस्कृति को दर्शाती हैं। हर पीढ़ी से जुड़ने वाली ये कहानियाँ, रोजमर्रा के पलों और भावनाओं को सामने लाती हैं।

एक फिल्म में स्कूल की टीचर बच्चों को आयोडीन का महत्व सिखाती हैं। वहीं दूसरी फिल्म एक चहल-पहल वाले घर की कहानी है, जहाँ हर पकवान और हर प्यार भरी बात में टाटा नमक मौजूद है। अपनी यादगार और सुरीली धुन के साथ, यह अभियान गर्व से टाटा साल्ट को 'देश का नमक' के रूप में प्रस्तुत करता है। आईपीएल के दौरान दिखाया जाने वाला यह अभियान देश के कोने-कोने में गूंजेगा और करोड़ों दिलों तक पहुँचेगा।

इस कैंपेन के बारे में दीपिका भान, प्रेसिडेंट ङ्क पैकेज्ड फूड्स, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, कहती हैं, यह पिछले साल के हमारे कैंपेन का एक स्वाभाविक और खूबसूरत विस्तार है। 'देश का नमक' सिर्फ एक जिंगल नहीं, बल्कि वह भरोसा है जो पिछले चार दशकों में गुणवत्ता और सच्चाई के साथ जुड़ा है। यह नया संस्करण उपभोक्ताओं से हमारे रिश्ते को और गहरा बनाएगा और उनकी खुशी और भरोसे के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता दोहराएगा।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं

94 आवेदन हुए प्राप्त, संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता से निराकरण के निर्देश

जांजगीर-चांपा,/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के नागरिकों की समस्याओं, शिकायतों एवं मांगों को सुना। जनदर्शन में कुल 94 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के लिए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

तहसील मुख्यालय जांजगीर के निवासी श्री रामकिशुन वस्त्रकार ने अपनी एवं पुत्री की स्थायी जाति प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन दिया। कलेक्टर ने एसडीएम जांजगीर को शीघ्र स्थायी प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए। तहसील सारागांव के ग्राम परसापाली के श्री जमाल अहमद ने अधिग्रहित भूमि की मुआवजा राशि दिलाने की मांग की। कलेक्टर ने एसडीएम चांपा को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। इसी प्रकार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पीएम आवास योजना, आर्थिक सहायता, रोजगार प्रदाय करने, ऋण प्रदाय, राजस्व अभिलेख में सुधार, पट्टा दिलाने सहित अन्य विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री महोबे ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्यवाही करे।

IPL क्रिकेट में ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले 03 आरोपियों को अलग अलग जगहों से किया गिरफ्तार थाना जांजगीर पुलिस की त्वरित कार्यवाही

आरोपियों के विरुद्ध धारा 07 छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्यवाही कर भेजा गया न्यायिक रिमांड पर

1. सुजल उर्फ अनुराग शर्मा उम्र 21 साल निवासी राम मंदिर रोड सक्ती हा.मु. नैला रोड नेताजी चौक जांजगीर थाना जांजगीर
2. विक्कू मित्तल उम्र 34 वर्ष निवासी मारूति विहार चांपा थाना चांपा
3. सौरभ उर्फ चिनू अग्रवाल उम्र 28 वर्ष निवासी बुधवारी बाजार सक्ती जिला शक्ति

पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा श्री विजय कुमार पाण्डेय (ङ्क्क) के निर्देशन में जिले में जुआ सट्टा खेलने एवं खिलाने वाले के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उमेश कुमार कश्यप के मार्ग दर्शन में दिनांक 01.06.25 को थाना जांजगीर पुलिस को मुखबिर से सुचना मिला कि नैला रोड नेताजी चौक के पास सुजल शर्मा अपने परिचित के यहां रुका है जिसके द्वारा मोबाइल से

आईपीएल मैच पंजाब किंग्स एवं मुम्बई इंडियन के बीच हार, जीत पर सट्टा खेला रहा है कि सुचना पर रेड कार्यवाही कर आरोपी सुजल शर्मा को पकडा जो आईपीएल क्रिकेट सट्टा खिलाते मिला, मोबाइल से नम्बर लगा तथा एक नग आई क्यु मोबाइल में वाईफाई से कनेक्शन लेकर मास्टर आई डी कोम से डाइमंड एक्रेन्ज लिंक से विक्कु मित्तल चाम्पा मोबाइल से 10-10 हजार के 05 आईडी एवं 20-20 हजार के 05 आई डी एवं सौरभ उर्फ चिनु अग्रवाल सक्ती मोबाइल से अनलिमिट क्वाइन आई डी एवं 05 हजार की आईडी लेकर किकेट सट्टा चला रहा था। जिसे पुलिस को मोबाइल बरामद करने कमरा अंदर लेकर जाते ही दोनो मोबाइल को आरोपी द्वारा पटक कर तोड दिया, जिसमें आनलाइन सट्टा का डाटा बरामद किया जाना था। आरोपी विक्कु मित्तल निवासी मारुती विहार चाम्पा को घेराबंदी कर पकडा जिसके कब्जे से नोकिया के किपेड मोबाइल एवं सैमसंग का फोल्ड 5 मोबाइल मिला, जिसमें सट्टा के लेनदेन का स्कीशाट है। पुछताछ में वह बताया कि सौरभ अग्रवाल निवासी शक्ति एवं अन्य साथी से डेमो आईडी लेकर सट्टा चलाता था बताने पर आरोपी सौरभ अग्रवाल निवासी बुधवारी बाजार सक्ती के घर पर रेड कार्यवाही कर पकडा जिसके कब्जे से मोबाइल मिला जिसमें आरोपी सुजल शर्मा के साथ लेनदेन का डाटा है प्रकरण के अन्य आरोपी फरार है। आरोपियो का कृत्य अपराध धारा सदर का घटित करना पाये जाने से दिनांक 02.06.25 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी थाना प्रभारी जांजगीर, उपनिरी. सत्यम चौहान, प्रधान आरक्षक राजकुमार चंद्रा एवम थाना स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने मई 2025 में बेचीं 4,65,115 यूनिट्स

गुरुग्राम: होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने आज मई 2025 के लिए अपनी बिक्री के आंकड़े घोषित किए। कंपनी की कुल बिक्री मई 2025 में 4,65,115 यूनिट्स रही। इसमें 4,17,256 यूनिट्स घरेलू बिक्री और 47,859 यूनिट्स निर्यात शामिल हैं। यह उल्लेखनीय है कि HMSI की YTD FY 26 (अप्रैल 2025 – मई 2025) की कुल बिक्री 9,45,979 यूनिट्स रही है, जिसमें 8,40,155 यूनिट्स घरेलू बिक्री और 1,05,824 यूनिट्स निर्यात शामिल हैं।

HMSI के मई 2025 के प्रमुख प्रमुख बिंदु:

उत्पाद: HMSI ने अपने बिगविंग पोर्टफोलियो को कई नए प्रीमियम मोटरसाइकिलों के लॉन्च के साथ मजबूत किया। कंपनी ने नई Rebel 500, X-ADV, CB750 Hornet, CB1000 Hornet SP और गोल्ड विंग टूर के 50वीं वर्षगांठ संस्करण का उद्घाटन किया। इसके अलावा, CB650R और
CBR650R के E-Clutch संस्करण भी अब भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

व्यापार: होंडा ने 500 मिलियनवीं मोटरसाइकिल का उत्पादन करके एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार किया, जो कंपनी की पहली मास-प्रोड्यूस्ड मोटरसाइकिल ड्रीम D-Type; के 1949 में लॉन्च होने के 76 साल पूरे होने का प्रतीक है। इसके अलावा, HMSI ने भारत के अपने विथलापुर संयंत्र में उत्पादन क्षमता को बढ़ाते हुए एक नई उत्पादन लाइन जोड़ने की घोषणा की। रोड सेफ्टी और ष्टस्क्र भारत में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, HMSI ने भारत के 13 स्थानों पर अभियान चलाए – जलगांव और कोल्हापुर (महाराष्ट्र), हजारीबाग (झारखंड), गाज़ियाबाद और कानपुर (उत्तर प्रदेश), कोटपुतली (राजस्थान), फरीदाबाद (हरियाणा), वडोदरा (गुजरात)।

युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया पर रोक लगाने शिक्षक सांझा मंच ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सारँगढ योगेश कुर्रे (समय दर्शन)- प्रदेश भर के शालाओं तथा उसमें कार्यरत् शिक्षकों एवं कर्मचारियों की युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया किया जा रहा है। जिसके तारतम्य में जिले में भी जिला शिक्षा अधिकारी सारंगढ़ बिलाईगढ़ द्वारा जिले के तीनों विकासखण्ड से जानकारी संकलित कर उपरोक्त कार्यवाही की जा रही है, जिसको लेकर शिक्षक सांझा मंच ने कलेक्टर साहब को निम्न बिन्दुओं पर ज्ञापन सौपा जिसमे

1. युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया के तहत् जिला शिक्षा अधिकारी सारंगढ़ बिलाईगढ़ द्वारा विकाखण्डों से प्राप्त अतिशेष सूची पर दावा आपत्ति मंगाई थी किन्तु स्वयं के हस्ताक्षर से अंतिम सूची, अतिशेष होने के कारण एवं दावा-आपत्ति के निराकरण कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही है। जो अत्यन्त आपत्तिजनक है।

2. विकासखण्डों से प्राप्त सूचियों में कनिष्ठ शिक्षकों छोड़कर वरिष्ठ शिक्षक को अतिशेष मानकर सूची में शामिल किया गया है। जो अत्यन्त आपत्तिजनक है।

3. जिला शिक्षा अधिकारी सारंगढ़ बिलाईगढ़ द्वारा आज पर्यन्त जिले में कार्यरत् सहायक शिक्षकों की दिनांक 01.04.2025 की स्थिति में वरिष्ठता सूची जारी नहीं की गई है। जिससे युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया में सही वरिष्ठता/वरीयता क्रम में संदेह एवं गड़बड़ि ?यों की आशंका बनी है तथा अधिकारियों पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है।

4. युक्तियुक्तकरण में परीवीक्षा अवधि पूर्ण कर लेने वाले शिक्षकों को भी नियमित नहीं होना बताकर वरिष्ठ शिक्षकों को अतिशेष किया जा रहा है। जो अत्यन्त आपत्तिजनक है। जबकि इससे जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर द्वारा माह मई 2025 तक परीवीक्षा अवधि पूर्ण करने वाले सहायक शिक्षकों का नियमितिकरण आदेश अपने कार्यालयीन आदेश क्रमांक 4828 दिनांक 28.05.2025 के तहत् आदेश जारी की गई। जोकि न्यायपूर्ण है। जबकि जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ में परीवीक्षा अवधि पूर्ण करने लेने वाले शिक्षकों को नियमितिकरण नहीं होना बताकर उन्हें शालाओं में छोड़ ?कर वरिष्ठ शिक्षकों अतिशेष किया जा रहा है। जो अत्यन्त आपत्तिजनक है।

5. विकासखण्ड बरमकेला में प्राथमिक शाला नावापाली एवं विकासखण्ड सारंगढ़ में प्राथमिक शाला भीमसेनडीह में अतिशेष निर्धारण में युक्तियुक्तकरण के निर्धारित मानदण्डों का पालन नहीं करते हुए दर्ज संख्या 60 से कम होने के बाबजुद किसी भी शिक्षक को अतिशेष न मानकर यथावत रखा गया है। ऐसे ही कई अन्य शालाओं में गलत अतिशेष निर्धारण किया गया है। जो अत्यन्त आपत्तिजनक है तथा व्यक्तिगत लाभ एवं भ्रष्टाचार की ओर संकेत करता है।

6. विकासखण्ड सारंगढ़ में शहरी क्षेत्र के प्राथमिक रेंजरपारा एवं सहसपुर को 800 मीटर की दूरी होते हुए भी युक्तियुक्तकरण कर पदस्थ शिक्षकों अतिशेष किया गया है। जबकि शहरी क्षेत्र में 500 मी तक ही शालाओं में युक्तियुक्तकरण का प्रावधान है। ऐसे विषयों को गहनता के साथ परीक्षण किया जाया

7. जिले में बालवाड़ी संचालित प्राथमिक शालाओं के बालवाड़ी प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों को अतिशेष श्रेणी से मुक्त रखा जाना चाहिए ताकि उनकी अध्ययन-अध्यापन निरंतरता के साथ संचालित हो सके।

8. आगामी तीन माह के भीतर सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों के कार्यरत शालाओं में अतिशेष होने वाले एक शिक्षक को शाला में यथावत तथा अतिशेष से मुक्त रखा जावे। क्योंकि सेवानिवृति से 1 पद रिक्त हो जावेगा। जिससे शाला की व्यवस्था बाधित होगी।

9. जिले के शालाओं में कुल रिक्त पदों की पूर्ति के पश्चात् शेष अतिशेष शिक्षकों को उसके शालाओं में ही यथावत रखा जावे, क्योंकि उनका नवीन शालाओं में पदांकन होने पर भी वे उन शालाओं में भी अतिशेष रहेंगे। जो न्याय संगत नहीं है।

10. विकासखण्ड बरमकेला के प्राथमिक शाला महाराजपुर में एक सहायक शिक्षक जिसकी मूल पदस्थापना प्राथमिक शाला बोरे है, जिसे महाराजपुर में कार्यरत् मानकर अन्य शिक्षकों अतिशेष की श्रेणी में रखा गया है। जोकि जाँच का विषय है।

11. युक्तियुक्तकरण के तहत् उच्च कार्यालयों को जिले स्तर से भेजी गई समस्त सूचियों एवं परिशिष्टों का प्रकाशन एवं सार्वजनिकीकरण किया जावे, ताकि सभी को वास्तविक स्थिति ज्ञात हो सके एवं प्रक्रिया की पारदर्शिता परिलक्षित हो सके। वहीं भ्रष्टाचार एवं संदेश की स्थिति निर्मित न हो।

शिक्षक सांझा मंच ने कलेक्टर साहब से गुहार लगाई उपरोक्त बिन्दुओं के निराकरण तक युक्ति युक्तकरण की प्रक्रिया में काउंसिलिंग पर रोक लगाई जावे,शिक्षक सांझा मंच ने काउंसिलिंग का बहिष्कार करने की चेतवानी दी है अगर युक्तियुक्तकरण की काउसिलिंग होती है तो आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे जिसकी सम्पूर्ण जवाबदेह शासन प्रशासन की होगी ।

खरीफफ़सल की तैयारी और किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के निर्देश

देरी से न्याय मिलना, न्याय नहीं मिलने के बराबर है : विष्णु देव साय

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री साय ने शनिवार को धमतरी में आयोजित समीक्षा बैठक में 'विकसित छत्तीसगढ़' का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि 'विकसित छत्तीसगढ़' के लिए तैयार किया गया विजन डाक्यूमेंट एक रोडमैप की तरह है, जिसमें लक्ष्य और दिशा-निर्देश स्पष्ट हैं। अधिकारी विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को साकार करने के लिए पूरी तन्मयता और जिम्मेदारी के साथ इसे परिणाम तक ले जाएं। मुख्यमंत्री साय रायपुर और धमतरी जिले में योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने सुशासन तिहार के समापन पर कहा कि लोगों की समस्याओं के समाधान का यह सिलसिला थमना नहीं चाहिए। जन-जन से संवाद और उनकी समस्याओं का समाधान निरंतर जारी रहना चाहिए। अधिकारी कड़ी मेहनत और नवाचारी तरीकों से लोगों की समस्याओं का समाधान करें। आम जनता को देरी से न्याय मिलना, न्याय नहीं मिलने के बराबर है। उन्होंने कहा कि राजस्व त्रुटि सुधार जैसे कामों में अधिकारियों-कर्मचारियों से ही गलती होती है, लेकिन इसका नुकसान आम लोगों को होता है और उन्हें ही परेशान होना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग में डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देने और समय प्रबंधन पर ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि सक्रिय तहसीलदारों वाले क्षेत्रों में राजस्व प्रकरण कम लंबित रहते हैं। साथ ही, अधिकारियों को जनता के साथ अच्छा व्यवहार करने और उनके कार्यों को न्यूनतम समय में गुणवत्तापूर्वक पूरा करने का निर्देश दिया।

फ्लैगशिप योजनाओं पर दें ध्यान- मुख्यमंत्री ने केंद्र और राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं, जैसे प्रधानमंत्री फ़सल बीमा योजना, पीएम आवास, और जल जीवन मिशन को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि फ़सल बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा सर्वश्रेष्ठ राज्य चुना गया है। साथ ही, नीति आयोग की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार धमतरी और रायपुर में पर्यटन स्थल विकसित करने की संभावनाओं को तलाशने को कहा।

शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि पर जोर- मुख्यमंत्री ने जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए। उन्होंने दंतेवाड़ा का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां डीईओ के बेहतर प्रदर्शन के कारण दसवीं और बारहवीं के परिणाम शानदार रहे, जिसकी प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में प्रशंसा की। स्वास्थ्य विभाग में सतत मॉनिटरिंग और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, साथ ही कृषि प्रधान धमतरी और रायपुर जिले में खरीफ फ़सल की तैयारी और किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने पर बल दिया।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ- मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से विभागीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में आने वाली कठिनाइयों को साझा करने को कहा, ताकि राज्य स्तर पर सहायता प्रदान की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि अधिकारियों के कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है और प्रत्येक जिले का रिपोर्ट कार्ड उनके पास है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के दौरान अधिकारियों ने बड़ी संख्या में आए आवेदनों का समयबद्ध समाधान किया, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों को अच्छा काम करने पर पुरस्कार और काम नहीं करेंगे तो उनकी खैर नहीं होगी।

इस मौके पर वन मंत्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा, सांसद श्रीमती रूप कुमारी चौधरी, विधायक अजय चंद्राकर, विधायक ओंकार साहू, महापौर रामू रोहरा, जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष नेहरू निषाद, अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी. पिल्ले, मुख्य सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव बसव राजु एस. सहित रायपुर और धमतरी के अधिकारी उपस्थित थे।

काम दिलाने के बहाने युवतियों को देह व्यापारमें धकेला: महिला दलाल गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)। रायपुर के भाठागांव स्थित एक किराए के मकान में देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। पुरानी बस्ती थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दलाल महिला रूषा खरे को गिरफ्तार किया है, जो सरगुजा, जांजगीर-चांपा और सारंगढ़ की गरीब लड़कियों को काम दिलाने के बहाने रायपुर लाकर जबरन देह व्यापार में धकेल रही थी।

कैसे हुई कार्रवाई- पुरानी बस्ती थाना प्रभारी को सूचना मिली कि इटालिया हाउस, भाठागांव के एक किराए के मकान में अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उम्मेद सिंह के निर्देश, और एएसपी दौलतराम पोर्ते व लखन पटले के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक राजेश देवांगन के नेतृत्व में टीम

गठित कर छापामार कार्रवाई की गई- एक पांइटर (गवाह) को नकद 1500 रुपये देकर भेजा गया, जिसने मोबाइल मिस कॉल के जरिए पुलिस को संकेत दिया। इसके बाद टीम ने मकान में दबिश दी और चार महिलाओं को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा।

गिरफ्तारी और जब्ती- मुख्य आरोपी रूषा खरे पति धनउ खरे (उम्र 38) निवासी अंबेडकर नगर, पेंड्रावन, सारंगढ़-बिलाईगढ़ को मौके से गिरफ्तार किया गया।

युवतियों का बयान- अन्य तीन युवतियों ने बताया कि रूषा खरे ने उन्हें अधिक पैसे और नौकरी का लालच देकर रायपुर बुलाया और फिर जबरन देह व्यापार में धकेल दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम 1956 की धारा 4, 5, 7 के तहत एफआईआर क्रमांक 224/2025 दर्ज किया और रूषा खरे को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

टीम की अहम भूमिका- इस कार्रवाई में विशेष रूप से सीएसपी पुरानी बस्ती: राजेश देवांगन, थाना प्रभारी: योगेश कश्यप, उप निरीक्षक: शिशुपाल चंद्रवंशी, महिला प्रधान आरक्षक: योगिता मिश्रा, महिला आरक्षक: कावेरी चक्रवर्ती, टीआई और आरक्षक टीम शामिल रहे।

यह कार्रवाई पुलिस के उस अभियान का हिस्सा है जिसमें सैलून, स्पा और किराए के मकानों में चल रहे देह व्यापार की रोकथाम की जा रही है। पुलिस ने दोबारा चेतावनी दी है कि शहर में ऐसे अनैतिक कृत्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

पूर्व सीएम के करीबी के ठिकानों पर EOW की दबिश, आबकारी घोटाले में कार्रवाई तेज

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में आबकारी घोटाले की जांच कर रही EOW (आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा) ने रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी कारोबारी विजय भाटिया के दुर्ग-भिलाई स्थित 5 ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई की। भाटिया के आवास, कार्यालय और अन्य परिसरों पर एक साथ दबिश दी गई, जो सुबह से जारी है।

EOW की लगातार कार्रवाई, आबकारी घोटाले की जांच में तेजी- इससे पहले 20 मई को EOW ने रायपुर, बिलासपुर, धमतरी, दुर्ग और भिलाई सहित 20 से अधिक ठिकानों पर दबिश दी थी। इन छापों में कई कारोबारियों और आबकारी विभाग के अफ़सरों के घरों और दफ्तरों की तलाशी ली गई थी। जांच में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए थे।

ACB भी कर चुकी है छापेमारी- EOW के अलावा ACB (भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो) ने भी इस घोटाले से जुड़े मामलों में अशोक अग्रवाल जैसे कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। भिलाई स्थित आम्रपाली कॉलोनी में अशोक अग्रवाल के घर पर सुबह 4 बजे टीम ने दबिश दी थी। अग्रवाल का संबंध स्टील इंडस्ट्रीज से बताया गया है।

क्या है मामला ?- छत्तीसगढ़ में आबकारी विभाग से जुड़े बड़े स्तर पर अनियमितता और घोटाले के आरोपों की जांच जारी है। आरोप है कि सरकारी ठेकों, शराब सप्लाई और परमिट प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ। इस घोटाले में कई राजनीतिक रसूख वाले नाम, अधिकारी और कारोबारी जांच के घेरे में हैं। विजय भाटिया के ठिकानों पर दबिश ने यह संकेत दिया है कि EOW की जांच अब सीधे राजनीतिक और कारोबारी गठजोड़ पर फोकस कर रही है। आने वाले दिनों में और भी बड़ी कार्रवाई और खुलासे की उम्मीद है। राज्य की सबसे बड़ी जांच में से एक माने जा रहे इस घोटाले में प्रशासन की सख्ती अब साफ नजर आ रही है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला:ष्ट्क्क ने विजय भाटिया को दिल्ली से किया गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले में बड़ी कार्रवाई करते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने फ़रार आरोपी विजय भाटिया को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। भाटिया को पूछताछ के लिए छत्तीसगढ़ लाया जा रहा है। भाटिया को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का करीबी कारोबारी माना जाता है और वह ईओडब्ल्यू, एसीबी और ईडी की कई जांचों में पहले से संदिग्ध था। इससे पहले तीन बार उसके नेहरू नगर, दुर्ग स्थित ठिकानों पर छापा मारा गया था लेकिन वह फ़रार हो गया था। इस बार दिल्ली से दबोच लिया गया।

दुर्ग-भिलाई में एक साथ 5 ठिकानों पर छापेमारी- रविवार सुबह से ही EOW और ACB की संयुक्त टीम ने दुर्ग-भिलाई के पांच ठिकानों पर एक साथ कार्रवाई की। इनमें विजय भाटिया के मैनेजर संतोष रामटेके के घर पर भी रेड की गई। रामटेके फ़िलहाल दिल्ली में मौजूद हैं। टीमें शराब घोटाले से जुड़े दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों की जांच में जुटी हैं।

ED की चार्जशीट में 21 आरोपी- ED ने अपनी चार्जशीट में 21 आरोपियों के नाम शामिल किए हैं, जिनमें पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, कारोबारी अनवर ढेबर, पूर्व ब्यूरोक्रेट अधिकारी अनिल टुटेजा, त्रिलोक सिंह ढिल्लन, भाटिया वाइन मर्चेंट, सिद्धार्थ सिंघानिया का नाम शामिल हैं। वहीं छत्तीसगढ़ डिस्टिलर, वेलकम डिस्टिलर, ओम साईं ब्रेवरीज, टॉप सिक्योरिटी, दिशिता वेंचर कंपनियां भी निशाने पर हैं।

ED ने 28 दिसंबर 2024 को लखमा और उनके परिजनों के ठिकानों पर छापा मारा था। 15 जनवरी 2025 को उन्हें गिरफ्तार कर रायपुर सेंट्रल जेल भेजा गया।

भूपेश सरकार के दौरान हुआ घोटाला- ED की रिपोर्ट के अनुसार, यह शराब घोटाला भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में हुआ, जिसमें तत्कालीन आबकारी विभाग के अधिकारी एपी त्रिपाठी, आईएएस अनिल टुटेजा और कारोबारी अनवर ढेबर ने मिलकर अवैध शराब वितरण नेटवर्क से करोड़ों रुपये का लाभ उठाया। विजय भाटिया की गिरफ्तारी से घोटाले की जांच में नया मोड़ आ गया है। ACB और EOW की टीम अब घोटाले के नेटवर्क को उजागर करने के अंतिम चरण में है। आने वाले दिनों में और भी बड़े नामों पर शिकंजा कसने की संकेत दिया है...

प्रथम चरण में 5,000 शिक्षकों की भर्ती होगी

छत्तीसगढ़ में होगी 5 हज़ार शिक्षकों की भर्ती, CM साय ने किया बड़ा ऐलान

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ एवं प्रभावशील बनाने के लिए शिक्षकों के रिक्त पदों पर चरणबद्ध भर्ती की जाएगी। प्रथम चरण में 5,000 शिक्षकों की भर्ती होगी। इस निर्णय से प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययन अध्यापन व्यवस्था को गति मिलेगी और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी। शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती को लेकर विभागीय स्तर पर तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इन्हीं पहल में शामिल है शालाओं एवं शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण। युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया राज्य में शुरू कर दी गई है। इसके पूरा होने के बाद शिक्षकों के रिक्त पदों का आकलन कर नई भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

गौरतलब है कि शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच को बेहतर बनाने की पहल के तहत छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में शालाओं और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह है कि जहां जरूरत है वहां शिक्षक उपलब्ध हों और बच्चों को अच्छी शिक्षा, बेहतर शैक्षणिक वातावरण और बेहतर सुविधाएं मिल सकें। युक्तियुक्तकरण का मतलब है स्कूलों और शिक्षकों की व्यवस्था को इस तरह से सुधारना कि सभी स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात संतुलित हो और कोई भी स्कूल बिना शिक्षक के न रहे।

राज्य की 30,700 प्राथमिक शालाओं में औसतन 21.84 बच्चे प्रति शिक्षक हैं और 13,149 पूर्व माध्यमिक शालाओं में 26.2 बच्चे प्रति शिक्षक हैं, जो कि राष्ट्रीय औसत से कहीं बेहतर है। हालांकि 212 प्राथमिक स्कूल अभी भी शिक्षक विहीन हैं और 6,872 प्राथमिक स्कूलों में केवल एक ही शिक्षक कार्यरत है। पूर्व माध्यमिक स्तर पर 48 स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं और 255 स्कूलों में केवल एक शिक्षक है। 362 स्कूल ऐसे भी हैं जहां शिक्षक तो हैं, लेकिन एक भी छात्र नहीं है। इसी तरह शहरी क्षेत्र में 527 स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात 10 या उससे कम है। 1,106 स्कूलों में यह अनुपात 11 से 20 के बीच है। 837 स्कूलों में यह अनुपात 21 से 30 के बीच है। लेकिन 245 स्कूलों में यह अनुपात 40 या उससे भी ज्यादा है, यानी छात्रों की दर्ज संख्या के अनुपात में शिक्षक कम हैं।

युक्तियुक्तकरण के अंतर्गत जिन स्कूलों में ज्यादा शिक्षक हैं लेकिन छात्र नहीं, वहां से शिक्षकों को निकालकर उन स्कूलों में भेजा जा रहा है, जहां शिक्षक नहीं हैं। इससे शिक्षक विहीन और एकल शिक्षक वाले स्कूलों की समस्या दूर होगी। स्कूल संचालन का खर्च भी कम होगा और संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा। एक ही परिसर में ज्यादा कक्षाएं और सुविधाएं मिलने से बच्चों को बार-बार एडमिशन लेने की जरूरत नहीं होगी। यानी एक ही परिसर में संचालित प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल संचालित होंगे तो प्राथमिक कक्षाएं पास करने के बाद विद्यार्थियों को आगे की कक्षाओं में एडमिशन कराने की प्रक्रिया से छुटकारा मिल जाएगा। इससे बच्चों को पढ़ाई में निरंतरता बनी रहेगी। बच्चों के स्कूल छोड़ने की दर (ड्रॉपआउट रेट) भी घटेगी। अच्छी बिल्डिंग, लैब, लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं एक ही जगह देना आसान होगा। शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शालाओं के युक्तियुक्तकरण के तहत राज्य के कुल 10,463 स्कूलों में से सिर्फ166 स्कूलों का समायोजन होगा। इन 166 स्कूलों में से ग्रामीण इलाके के 133 स्कूल ऐसे हैं, जिसमें छात्रों की संख्या 10 से कम है और एक किलोमीटर के अंदर में दूसरा स्कूल संचालित है। इसी तरह शहरी क्षेत्र में 33 स्कूल ऐसे हैं, जिसमें दर्ज संख्या 30 से कम हैं और 500 मीटर के दायरे में दूसरा स्कूल संचालित है। इस कारण 166 स्कूलों को बेहतर शिक्षा के उद्देश्य से समायोजित किया जा रहा है, इससे किसी भी स्थिति में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। शेष 10,297 स्कूल पूरी तरह से चालू रहेंगे। दरअसल छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के शहरी और ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए स्कूलों और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण यानि तर्कसंगत समायोजन कर रही है। इसका उद्देश्य यह है कि जहां जरूरत ज्यादा है, वहां संसाधनों और शिक्षकों का बेहतर ढंग से उपयोग सुनिश्चित हो। उन स्कूलों को जो कम छात्रों के कारण समुचित शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं, उन्हें नजदीकी अच्छे स्कूलों के साथ समायोजित किया जाए, ताकि बच्चों को बेहतर माहौल, संसाधन और पढ़ाई का समान अवसर उपलब्ध हो सके।

संक्षिप्त समाचार

अवधपुरी विकास मोहल्ला समिति भाटागाँव के शिव रतन गुप्ता अध्यक्ष मनोनीत..

रायपुर (समय दर्शन)। अवधपुरी आदर्श मोहल्ला विकास समिति भाटागांव रायपुर शासन द्वारा पंजीकृत संस्था की आमसभा बैठक दिनांक 01 जून 2025 दिन रविवार को स्थान शिवम एकेडमी स्कूल, ढेबर सिटी रोड, अवधपुरी में दोपहर 12:00 बजे आयोजित हुई जिसमें आगामी 3 वर्ष के कार्यकाल हेतु नवीन पदाधिकारी के गठन हेतु उपस्थित सदस्यों से समिति के संविधान में उल्लेखित पदों हेतु नाम प्रस्तावक समर्थन के साथ इच्छुक उम्मीदवार का नाम लेने कहा गया । उपस्थित सदस्यों में सर्वसम्मति से सर्वप्रथम अध्यक्ष पद हेतु शिवरतन गुप्ता का मनोनयन किया गया। उपाध्यक्ष पद हेतु बी. आर. धनगर, सचिव पद हेतु डॉ. जितेंद्र सिंह ठाकुर, कोषाध्यक्ष पद हेतु देवेंद्र साहू बनाएं गये। कार्यक्रम में समिति की सरक्षिका सुश्री रेखा सिंह द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण कराई । कार्यक्रम में समिति के पूर्व अध्यक्ष खोरबाहरा राम साहू, कृष्ण ध्रुव, कोषाध्यक्ष अशोक बंजारे, संयुक्त सचिव परमानंद गुप्ता, जीतू बिजलानी, पूनम साहू, जीपी राही, हेमनाथ साहू, मनोरमा दुबे पूजा पांडे, महेंद्र दुबे, मदन उपस्थिति थे। उक्त जानकारी समिति के सचिव डा. जितेंद्र सिंह ठाकुर ने दी।

एचडीएफसी बैंक मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में मेगा 'ऑटो लोन मेला'करेगा आयोजित

रायपुर। भारत का अग्रणी निजी क्षेत्र का बैंक एचडीएफसी बैंक 3 और 4 जून, 2025 को दो दिवसीय मेगा 'ऑटो लोन मेला' आयोजित करने जा रहा है। इस दो दिवसीय लोन मेले में राजस्थान,मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की 450 से अधिक शाखाएँ भाग लेंगी।

क्षेत्र के प्रमुख चार पहिया वाहन डीलरशिप नवीनतम पेशकशों का प्रदर्शन करेंगे। लोन मेले में आने वाले ग्राहक वाहनों को देख और टेस्ट ड्राइव कर सकते हैं, जबकि पात्र ग्राहक आसान पुनर्भुगतान विकल्पों के साथ मौके पर ही ऋण स्वीकृत करवा सकते हैं।

ऋण मेला खरीदारों को वास्तविक कार डीलरों से जोड़ने के लिए डिज़ाइन किया गया एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करेगा, जबकि एचडीएफसी बैंक एक्सप्रेस कार ऋण के माध्यम से सुचारू ऋण वितरण सुनिश्चित करेगा। यह सुविधा मौजूदा और भावी एचडीएफसी बैंक ग्राहकों दोनों के लिए उपलब्ध है।

'एक्सप्रेस कार लोन' प्लेटफॉर्म एक पूर्ण डिजिटल, पेपरलेस और संपर्क-मुक्त प्रक्रिया को सक्षम बनाता है, जिससे डीलरों को ऑटो लोन का वितरण केवल 30 मिनट के भीतर हो जाता है। एचडीएफसी बैंक एक्सप्रेस कार लोन के साथ, ग्राहक बिना किसी दस्तावेज और 100 फीसदी डिजिटल प्रक्रिया के साथ केवल 30 मिनट में अपनी सपनों की कार को वास्तविकता बना सकते हैं।

एचडीएफसी बैंक के मध्य भारत के शाखा बैंकिंग प्रमुख प्रतीक शर्मा ने कहा कि ऑटो लोन मेला का उद्देश्य लोगों को कार के मालिक होने के उनके सपने को साकार करने में मदद करना है। यह संभावित खरीदारों और डीलरों को एक छत के नीचे जोड़कर, आकर्षक ऑफ़र के साथ और पात्र ग्राहकों को एक सरल और आसान प्रक्रिया के माध्यम से ऋण प्राप्त करने में सक्षम बनाकर किया जाता है। ग्राहक केंद्रित होने के साथ साथ ग्राहक सुविधा प्रदान करने की हमारी निरंतर यात्रा में यह एक और कदम है।

एनआईटी रायपुर ने आयोजित किया वाकेथान और शपथ समारोह

रायपुर (समय दर्शन)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 31 मई से 5 जून 2025 तक सप्ताह भर चलने वाली विविध गतिविधियों का शुभारंभ किया गया। यह गतिविधियां माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किए गए मिशन लाइफके उपलक्ष्य में, शिक्षा मंत्रालय एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के निर्देशानुसार आयोजित की जाएगी। इस वर्ष का विषय वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत रहेगा, जिसके अंतर्गत संस्थान द्वारा सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनचेतना को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। गतिविधियों की श्रृंखला की शुरुआत 31 मई 2025 को वॉकाथॉन और शपथ समारोह से हुई, जो संस्थान के मुख्य भवन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर संस्थान के डीन (स्टूडेंट वेलफेयर) तथा वार्ड क्रमांक 20, कोटा, रायपुर के पार्षद श्री अमन सिंह ठाकुर उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम एप्लाइड जियोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. डी. सी. झारिया के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. गोविंद पी. गुप्ता, डॉ. देबाशीष मिश्रा, संकाय सदस्य, कर्मचारी, स्कॉलर और छात्र उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागी इस वॉकाथॉन में उत्साहपूर्वक शामिल हुए और प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक शपथ ली। इस दौरान प्लास्टिक छोड़ो और प्रकृति से नाता जोड़ो, हम सबका एक ही नारा प्लास्टिक मुक्त हो देश हमारा और प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ जैसे नारे लगाए गए । संस्थान 31 मई से 5 जून तक आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला के माध्यम से विश्व पर्यावरण दिवस 2025 का आयोजन करेगा। कार्यक्रम की शुरुआत 31 मई को एक जागरूकता वॉकथॉन और शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुई। स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए पोस्टर मेकिंग एवं 'वेस्ट आउट ऑफ बेस्ट' प्रतियोगिताएं 2 जून को आयोजित की जाएंगी, जिसके पश्चात 3 जून को स्वच्छता अभियान और हैकाथॉन आयोजित होंगे। 4 जून को प्लास्टिक उद्योग भ्रमण और विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तावित है।

संपादकीय

ईडी को फटकार

तमिलनाडु की खुदरा शराब कंपनी टीएएसएमएसी के खिलाफ धनशोधन की जांच की ईडी की स्वत:स्फूर्त कार्रवाई पर रोक लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ी टिप्पणी की और यहां तक कह डाला कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सारी सीमाएं पार कर रहा है और शासन की संघीय अवधारणा का उल्लंघन कर रहा है। राज्य सरकार और टीएएसएमएसी की याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस. वी. राजू से दो टूक कहा, प्रवर्तन निदेशालय सभी सीमाएं पार कर रहा है। धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) की सख्त धाराओं के दुरुपयोग को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कई पीठ पहले भी ईडी को जमकर फटकार लगा चुकी हैं। विपक्षी दल तो ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ अक्सर विरोध जताते ही रहते हैं। पीठ ने राज्य सरकार और टीएएसएमएसी की दलीलों पर गौर करते हुए टीएएसएमएसी के खिलाफ जांच पर फिलहाल रोक लगा दी है। तमिलनाडु सरकार और टीएएसएमएसी का तर्क है कि शराब दुकानों के लाइसेंस देने में कथित अनियमितताओं को लेकर हम पहले ही आपराधिक कार्रवाई शुरू कर चुके हैं। 2014 से अब तक इस मामले में 41 प्राथमिकियां दर्ज की जा चुकी हैं और अब ईडी बीच में कूदकर टीएएसएमएसी पर ही छापेमारी कर रही है। इस पर पीठ ने फटकार लगाते हुए ईडी से तीखा सवाल किया कि आप राज्य द्वारा संचालित टीएएसएमएसी पर कैसे छापा मार सकते हैं। तमिलनाडु सरकार ने संवैधानिक अधिकारों और संघीय ढांचे के गंभीर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए अपनी याचिका में कानून के व्यापक प्रश्न उठाए हैं, जिनमें संघवाद का मुद्दा भी शामिल है। जिसमें ईडी अपने दायरे से बाहर जाकर और राज्य के अपराध की जांच करने के अधिकार को हड़पने का प्रयास कर रहा है। राज्य सरकार की दलील है कि टीएएसएमएसी को इन प्राथमिकी में से किसी में भी आरोपी नहीं बनाया गया है और कई मामलों में वह शिकायतकर्ता है। दरअसल, यह मामला राज्य और केंद्र सरकार के बीच काफी समय से चल रही चांदमारी का ही एक और नमूना है जिसमें ईडी तो कभी सीबीआई निशाने पर आते रहते हैं। यह उम्मीद की जानी चाहिए कि इस शर्मनाक स्थिति से बचने के लिए ईडी अपनी कार्यपणाली में बदलाव लाएगी।

नारी शक्ति की प्रतीक : रानी अहिल्याबाई होलकर और छत्तीसगढ़ सरकार की प्रतिबद्धता

लक्ष्मी राजवाड़े

भारत के इतिहास में कुछ महिलाएं ऐसी रही हैं जिनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए आदर्श बन गया। उन्हीं में से एक हैं राजमाता अहिल्याबाई होलकर, जिनकी 300वीं जयंती पर हम श्रद्धा और गर्व के साथ उन्हें स्मरण कर रहे हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर मैं उन्हें सादर नमन करती हूं और उनके आदर्शों को आज के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में दोहराते हुए छत्तीसगढ़ सरकार की नारी सशक्तिकरण योजनाओं की चर्चा करना चाहती हूं। अहिल्याबाई होलकर : त्याग, सेवा और न्याय की मूर्ति रानी अहिल्याबाई होलकर का जीवन संघर्षों से भरा हुआ था, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। एक युवा विधवा के रूप में उन्होंने न केवल स्वयं को संभाला, बल्कि संपूर्ण मालवा राज्य को कुशलता से चलाया। वे प्रशासन, धर्म, सामाजिक समरसता और दान की मिसाल थीं। उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, अयोध्या, बद्रीनाथ, द्वारका जैसे स्थानों पर पुनर्निर्माण कार्य कर भारतीय संस्कृति और आस्था की रक्षा की। उनके कार्य इस बात का प्रमाण हैं कि यदि नारी को अवसर और अधिकार मिले, तो वे समाज और राष्ट्र दोनों को दिशा दे सकती हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार का संकल्प : हर नारी बने समर्थ– छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में, अहिल्याबाई होलकर के पदचिन्हों पर चलते हुए नारी सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

महतारी वंदन योजना – छत्तीसगढ़ सरकार ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महतारी वंदन योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत पात्र विवाहित, विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल रही है। अबतक लगभग 70 लाख महिलाओं को 15 किश्तो में 9788.78 करोड़ रूपए सहायता राशि प्रदान की जा चुकी है।

महिला स्वावलंबन योजनाए – राज्य सरकार ने महिला स्व–सहायता समूहों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से स्वरोजगार योजनाएं प्रारंभ की और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की ठोस पहल की है। इन पहलों से लाखों महिलाएं अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं।

महिलाओं की सुरक्षा और न्याय के लिए महिला हेल्पलाइन 181, वन स्टॉप सेंटर, फास्ट ट्रैक कोर्ट, विधिक सहायता जैसे उपाय सुनिश्चित किए गए हैं ताकि हर महिला को न्याय मिले और वह भयमुक्त जीवन जी सके।

मारा लक्ष्य : सशक्त, सुरक्षित और सम्मानित नारी समाज– रानी अहिल्याबाई होलकर जी ने जिस समाज की कल्पना की थी। उसे साकार करने के लिए हमें शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान के चार स्तंभों पर कार्य करना होगा। छत्तीसगढ़ सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है, ताकि हर बालिका अपने सपने को साकार कर सके और हर महिला समाज में नेतृत्व की भूमिका निभा सके।

अहिल्याबाई होलकर जी की जयंती केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि संकल्प का अवसर है। संकल्प इस बात का कि हम उनके दिखाए मार्ग पर चलकर एक सशक्त और समरस समाज का निर्माण करेंगे। मैं समस्त प्रदेशवासियों से अपील करती हूं कि वे इस अभियान में सहभागी बनें और नारी शक्ति को राष्ट्र शक्ति में बदलने की दिशा में योगदान दें। जब नारी सशक्त होगी तभी विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प साकार होगा।

रक्षा में आत्मनिर्भरता के बढ़ते कदमों से बढ़ती सैन्य-ताकत

ललित गर्ग

ऑपरेशन सिंदूर की शानदार कामयाबी, पाकिस्तान को करारी चोट पहुंचाने, विश्व को भारत की सैन्य ताकत दिखाने और अपने सैनिकों के अद्भुत पराक्रम के प्रदर्शन की गौरवपूर्ण स्थितियों के बीच एक बड़ी खुशखबरी है कि भारत सरकार ने पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट यानी एएमसीए) के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी देते हुए इस परियोजना पर आगे बढ़ने को हरी झंडी दिखा दी है। निश्चित ही इस फैसले से दुनिया की महाशक्तियां चौंकी है, वहीं यह भारतवासियों के लिये एक नई आशा एवं संभावनाभरी खुशखबरी है। क्योंकि दुनिया की महाशक्ति बनने के लिये सैन्य साजो–सामान की दृष्टि से आत्म निर्भर होना प्रथम प्राथमिकता है। दुनिया पर वर्चस्व स्थापित करने का यह सबसे बड़ा आधार है कि हम सैन्य साजो सामान में स्वावलम्बी ही नहीं, निर्यातक बने। क्योंकि उन्हें दूसरे देशों से खरीदने में विदेशी पूंजी का व्यय होने के साथ कई तरह के दबावों का भी सामना करना पड़ता है। दूसरे देश अपनी शर्तों पर ये हमें उपलब्ध कराते हैं, अर्थ का व्यय भी स्वदेशी उत्पादन की तुलना में बहुत ज्यादा करना पड़ता है। जबसे रक्षा सामग्री के निर्माण में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाई गई है, तब से भारत का रक्षा निर्यात तेजी से बढ़ा है। रक्षा मंत्रालय के ताजा फैसले के बाद सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियों के शेयर जिस तरह उछले, उससे यही पता चलता है कि देश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के लिए नई दिशाओं को उद्घाटित कर रहा है।

निश्चित ही पांचवीं पीढ़ी के उन्नत लड़ाकू विमानों का देश में ही निर्माण करने और उसमें निजी क्षेत्र का सहयोग लेने की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की घोषणा एक ऐसा फैसला है, जो दूरगामी एवं देशहित का सराहनीय कदम है। ऐसे फैसलों में बिना विलम्ब के प्रोत्साहन एवं सहयोग होना चाहिए। हमें निश्चित करना चाहिए कि आधुनिक लड़ाकू विमानों के निर्माण तय समय में हो, इसके लिए हरसंभव उपाय किए जाने चाहिए। ऐसे फैसलों से भारत की ताकत बढ़ती है, दुनिया की अधीनता कमतर होती है। गौरतलब है, अभी तक अमेरिका, रूस और चीन ने ही पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने में सफलता हासिल की है। इस योजना के जरिये दुनिया को यह संदेश देना है कि भारत अब पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान खरीदने की बजाय खुद बनाने का काम करेगा। इस स्वदेशी विमान के डिजाइन और विकास के लिए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने हाल ही में पन्द्रह हजार करोड़ रुपये की राशि मंजूर की थी। अब रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व करेगी और डीआरडीओ के मुखिया की मानें, तो अगले एक दशक में यह लड़ाकू विमान भारतीय वायु सेना के बेड़े का हिस्सा होगा। निस्संदेह, हमारे रक्षा वैज्ञानिकों की सराहना की जानी चाहिए कि उनके अथक परिश्रम, तकनीकी कौशल और मेधा के कारण देश जल्द ही सुरक्षा साजो–सामान के मामले में भी आत्म–निर्भर बन जाएगा। इन स्थितियों के लिये जहां रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की सराहना होनी चाहिए वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का लोहा मानना चाहिए।

मौजूदा समय में भारत लड़ाकू विमान के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर है। सरकार ने इस दिशा में भी आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इस फैसले से घरेलू एयरोस्पेस इंडस्ट्री को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। एएमसीए का विकास भारतीय वायु सेना की लड़ाकू क्षमताओं को मजबूत करने और देश की रक्षा को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा। पडोसी देशों की हरकतों, युद्ध की संभावनाओं एवं षडयंत्रों को देखते हुए आने वाले समय में होने वाले युद्ध में वायुसेना की क्षमता और तकनीक को अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षा है। भारत हमेशा से एक शांतिकामी मुल्क रहा है, मगर अपनी सरहदों व विशाल आबादी की सुरक्षा के लिए वह दूसरे देशों के हथियारों या सुरक्षा उपकरणों पर पूरी तरह निर्भर नहीं रह सकता। विदेशी लड़ाकू विमानों या हथियारों की खरीद में उनके तकनीकी हस्तांतरण को लेकर कई तरह की पेचीदगियां पेश आती हैं। कई देश उन्नत रक्षा उपकरण तो दे देते हैं, लेकिन उनकी तकनीक नहीं देते या फिर उनके कलपुर्जे देने में देरी करते हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पर्याप्त संख्या में तेजस लड़ाकू विमान बनाने में इसलिए विलंब हो रहा है, क्योंकि अमेरिका उनके लिए इंजन देने में आनाकानी कर रहा है। इसलिए एचएएल, डीआरडीओ की स्थापना की जरूरत मससूस की गई थी और आज इनके बनाए हथियार न सिर्फ हमारी सैन्य शक्ति का हिस्सा बन रहे हैं, बल्कि इस वजह से हमारा 20 फीसदी से भी अधिक सैन्य आयात कम हुआ है। आज हम अपने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस दुनिया को बेचने की स्थिति में हैं।

मौजूदा समय में लड़ाकू विमान के लिए भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों और रूस पर निर्भर है। देश में लड़ाकू विमानों की कमी भी है। ऐसे में सरकार स्वदेशी निर्मित आधुनिक लड़ाकू विमान के निर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाकर सूझबूझ एवं दूरगामी सोच का परिचय दिया है। आज जब युद्ध के तौर–तरीके बदल रहे हैं, तब भारत को हर तरह की रक्षा सामग्री स्वदेश में ही बनाने में इसलिए सक्षम होना होगा, क्योंकि ऐसा करके ही वह सच्चे अर्थों में महाशक्ति बन सकता है। प्रारंभ में विदेशी कंपनियों का सहयोग लेने में हर्ज नहीं, क्योंकि ऐसा करके ही तेजी के साथ उन्नत रक्षा समाग्री का निर्माण किया जा सकता है। भारत आधुनिक रक्षा उपकरण एवं तकनीक का निर्माण करने में सक्षम है, इसे आपरेशन सिंदूर ने साबित भी कर दिया। हमारे रक्षा उपकरणों और तकनीक ने जिस तरह तुर्किये के ड्रोन की हवा निकालने के साथ चीनी एयर डिफेंस की पोल खोल दी, उसे विश्व भर के रक्षा विशेषज्ञ भी मान रहे हैं। रूस के सहयोग से बनी ब्रह्मोस मिसाइल और स्वदेशी तकनीक पर आधारित आकाश ने सिद्ध किया कि हमारे रक्षा विज्ञानी किसी से कम नहीं। उन्हें भरपूर प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

भारत की रक्षा सेना दुनिया में सबसे शक्तिशाली और सम्मानित सेनाओं में से एक है, जो अपने आकार, ताकत और उन्नत तकनीक के साथ वैश्विक मंच पर धूम मचा रही है। चाहे सीमाओं पर गश्त करना हो, आसमान की सुरक्षा करनी हो या विशाल हिंद महासागर को सुरक्षित रखना हो, भारत की सेना एक ऐसी ताकत है जिसका लोहा माना जाना चाहिए। भारत का लक्ष्य सिर्फ़ वैश्विक सैन्य शक्तियों के साथ बने रहनाभर नहीं है–यह उनके साथ है बल्कि अब उससे आगे भी आना है। किसी भी युद्ध या संघर्ष में वायु सेना की भूमिका निर्णायक हो चली है। हमास–इजरायल जंग हो या रूस–यूक्रेन लड़ाई, इस तथ्य को पूरी दुनिया स्वीकारती है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये हमारी वायु सेना ने भी दिखा दिया है कि किस सटीकता से शत्रुओं के लक्ष्य को मटियामेट करने में वह सक्षम है। ऐसे में भारतीय वायु सेना की जरूरतों पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। वर्तमान में, भारत दुनिया में चौथे स्थान पर है, जो केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन से पीछे है। यह स्थान इसके उन्नत विमान, बेहतर प्रशिक्षण और रणनीतिक महत्व के संयोजन के कारण अर्जित किया गया है। बहुमुखी राफेल जेट से लेकर शक्तिशाली सुखोई अपने रास्ते में आने वाली किसी भी चुनौती से निपटने के लिए सुसज्जित है। निश्चित ही भारत ने एक ऐसा सैन्य बल बनाया है जो ध्यान आकर्षित करता है, जिसमें विशाल जनशक्ति, अत्याधुनिक तकनीक और गहन रणनीतिक फोकस का संतुलन है। यह अब सिर्फ़ एक क्षेत्रीय खिलाड़ी नहीं है; भारत खुद को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। भारतीय वायुसेना के पायलट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पायलटों में से हैं, जो न केवल हार्डवेयर बल्कि मानवीय तत्व के कारण हवाई प्रभुत्व बनाते हैं। चाहे वह सीमाओं पर खतरों का जवाब देना हो या हवाई श्रेष्ठता सुनिश्चित करना हो, भारत की वायु सेना अपनी रक्षा रणनीति में एक प्रमुख खिलाड़ी है, जो हमेशा आसमान की रक्षा के लिए तैयार रहती है।

तंबाकू : मीठा ज़हर और धीमी मौत

डॉ. केशव पाण्डेय

हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक ऐसा वैश्विक प्रयास है जो हमें चेताता है, झकझोरता है और प्रेरित करता है कि तंबाकू जैसी घातक लत से समाज को बचाया जाए। यह अवसर हमें आत्मचिंतन करने के साथ–साथ जनजागरूकता फैलाने का भी मौका देता है कि कैसे एक छोटी–सी आदत पूरे जीवन को निगल सकती है। आइये, जानते हैं, इस दिवस का महत्व, इसके पीछे की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और तंबाकू के दुष्परिणाम और इस वर्ष की खास थीम। तंबाकू का सेवन चाहे सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, पान मसाला या किसी अन्य रूप में किया जाए, यह शरीर के लिए धीमा ज़हर है। इसके सेवन से सबसे अधिक प्रभावित होता है हमारा श्वसन तंत्र और हृदय। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल दुनियाभर में 80 लाख से ज्यादा लोगों की मौत तंबाकू जनित बीमारियों के कारण होती है। इन मौतों में से लगभग 12 लाख लोग वे होते हैं जो स्वयं तंबाकू का सेवन नहीं करते, बल्कि परोक्ष रूप से यानी पैसिव स्मोकिंग से प्रभावित होते हैं। तंबाकू के सेवन से लाखों लोग अनेक बीमारियों के शिकार हो रहे हैं, इनमें फेफड़ों का कैंसर, मुँह का कैंसर, दिल का दौरा, स्ट्रोक, दमा, ब्रोंकाइटिस, उच्च रक्तचाप हार्ट फेल्योर, क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिज़ीज, अस्थमा, दाँत गिरना, मसूड़ों में संक्रमण, सफेद धब्बे जो कैंसर का कारण बन सकते हैं। इनके अलावा गर्भवती महिलाओं में भ्रूण की वृद्धि में बाधा, समय से पहले प्रसव, नवजात की मृत्यु जैसी जानलेवा बीमारियां शामिल हैं। भारत में भी तंबाकू एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। देश में हर साल लगभग 13 लाख लोग तंबाकू के कारण असमय काल के गाल में समा जाते हैं। यह कुल मृत्यु दर का लगभग 9.5 प्रतिशत है। इनमें से लगभग 10–12 लाख मौतें धूम्रपान से होती हैं, और शेष गुटखा, पान मसाला, हुक्का जैसे चबाने वाले तंबाकू उत्पादों से। जबकि मध्य प्रदेश में हर साल लगभग 90 हजार से एक 1 लाख लोगों की मौत तंबाकू सेवन के कारण होती है। राज्य में पुरुषों के बीच तंबाकू सेवन की दर 40 प्रतिशत से अधिक है, जबकि महिलाएं की लगभग 10से12 प्रतिशत। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या ज्यादा गंभीर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, अगर तंबाकू पर सख्ती से नियंत्रण न लगाया गया, तो आने वाले दशकों में तंबाकू से हर साल 1 करोड़ मौतें हो सकती हैं, जिनमें से 70 प्रतिशत विकासशील देशों में होंगी, उनमें भारत सबसे प्रमुख है। इस दिवस के इतिहास की बात करें तो विश्व तंबाकू निषेध दिवस की शुरुआत 1987 में हुई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे पहली बार 7 अप्रैल 1988 को मनाने की घोषणा की थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख बदलकर 31 मई कर दी गई। इसका उद्देश्य तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करना और सरकारों को तंबाकू नियंत्रण नीतियाँ लागू करने के लिए प्रेरित करना था। यह दिवस तंबाकू नियंत्रण नीतियों और कानूनों के समर्थन को एक वैश्विक मंच प्रदान करता है। जिससे तंबाकू के सेवन को लेकर समाज में सकारात्मक बदलाव हो और लोग इससे दूर हटने का प्रयास करें।

प्रति वर्ष यह दिवस एक खास थीम पर मनाया जाता है। जो विशेष रूप से किसी एक पहलू पर केंद्रित होती है– जैसे कि युवाओं को तंबाकू से बचाना, पर्यावरण पर तंबाकू का प्रभाव, या तंबाकू उद्योग की रणनीतियों को उजागर करना। साल 2025 की तंबाकू निषेध दिवस की थीम– न्दउेंपदह जीम ।चचमंसरू म्ाचवेपदह प्दकनेजतल ज्ंबजपबे वद ज्वइंबबव ंदक छपबवजपदम च्तवकनबजेष् यानी आकर्षक का पर्दाफाश : तंबाकू और निकोटिन उत्पाद पर इसके उद्योग की चाल को बेनकाब करना और उसकी नीतियों को उजागर करना है। तंबाकू उद्योग जानबूझकर अपनी नीतियों और विज्ञापनों के माध्यम से किशोरों और युवाओं को निशाना बनाता है। चमकीले पैकेट, आकर्षक विज्ञापन और फिल्मों में ग्लैमराइज्ड तंबाकू सेवन दृश्य, ये सब युवा मन को भ्रमित करते हैं। एक बार यह लत लग गई, तो इससे निकलना कठिन हो जाता है।

गंभीर संकट का संकेत है ग्लोबल वार्मिंग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

जलवायु परिवर्तन या यों कहे कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते मानव अस्तित्व पर आ रहे संकट की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 2 जून को समूचे विश्व में ग्लोबल हीट एक्शन डे मनाया जाने लगा है। ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणाम तेजी से हमारे सामने आने लगे हैं। लाख प्रयासों, शिखर सम्मेलनों और संकल्पों के बावजूद पृथ्वी पर तापमान की बढ़ती दर को रोकने में हम पूरी तरह से विफल रहे हैं। 1850 से अब तक के रेकार्ड के अनुसार विश्व में अब तक का सबसे गर्म साल 2024 रहा है। वर्कले अर्थ द्वारा जारी रिपोर्ट में भी इस बात की पुष्टि होती है कि सर्वाधिक गर्म साल 2024 रहा है। मजे की बात यह है कि यह सब तो तब है जब ग्लोबल वार्मिंग को लेकर वैश्विक सम्मेलन लगातार आयोजित हो रहे है और पृथ्वी के बढते तापमान को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सीधा सीधा अर्थ धरती के तापमान में बढ़ोतरी होना है। इस साल 2025 के ग्लोबल हीट डे की थीम रिकागनाइजिंग एण्ड रेस्पोडिंग टू हीट स्ट्रोक रखा गया है। दुनिया के देष 2050 तक ग्लोबल वार्मिंग दर को 50 प्रतिशत कम तक लाना है।

दरअसल 1896 में ही स्वीडिस मौसम विज्ञानी ने ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से चेता दिया था। 1975 में ग्लोबल वार्मिंग को लेकर सबसे पहली रिपोर्ट आई और 1988 में अमेरिका की सीनेट में नासा वैज्ञानिक जैम्स हेनसेन से चर्चा करते हुए आने वाले संकट को स्पष्ट कर दिया था। ग्लोबल वार्मिंग के चलते आज दुनिया के देशों, समुद्र किनारे के शहरों, जंगलों की जैव विविधता और बच्चों, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से ग्रसित लोगों के सामने गंभीर संकट आ गया है। कहने का अर्थ यह है कि यह संकट किसी एक स्थान या एक नागरिक विशेष पर ना होकर समूची मानव जाति और अस्तित्व पर आ गया है। इसके दुष्परिणामों को तो इस तरह से समझा जा सकता है कि ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं, इससे समुद्र का जल स्तर लगातार बढने लगा है। मौसम के हालात अस्पष्ट होते जा रहे हैं। गर्मी और अधिक लंबी व गर्म होती जा रही है तो मौसम चाहे सर्दी हो, गर्मी हो या बरसात हो चरम स्थिति में होने लगा है। रेगिस्तान बढ रहा है तो जलवायु परिवर्तन या यों कहें कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते नित नए चक्रवात, तूफान, बरसात के दिन कम होने के बावजूद एक ही समय में अत्यधिक बरसात, सर्दियों में अधिक बरसात आदि सामने आ रहे हैं।

मौसम विज्ञानियों ने पहले ही चेता दिया था कि औद्योगिक क्रान्ति और उसके चलते हमारी जीवन शैली में बदलाव से ग्लोबल वार्मिंग के हालात बनते जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सबसे प्रमुख कारण जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग रहा है। कोयला, तेल, गैस आदि जीवाश्म ईंधन के उपयोग से अंतरिक्ष की परत प्रभावित हुई है और उसके चलते तापमान में बढ़ोतरी के हालात बनते जा रहे हैं। हमें भूलना नहीं चाहिए कि जीवाश्म ईंधन के साथ ही कुछ अन्य कारण भी है जिनके चलते तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। अत्यधिक शहरी करण और लोहे सीमेंट के उपयोग के कारण गगनचुंबी इमारतों से कंक्रिट के जंगल का विस्तार, आबादी का अत्यधिक दबाव होने के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक व बेरहमी से दोहन, सुविधा के लिए नित नए इलेक्ट्रोनिक उत्पादों का अत्यधिक उपयोग, पंखें या कूलर के स्थान पर एयर कण्डीशनरों का उपयोग, रसोई में फ्रीज व अन्य उत्पादों का उपयोग और इसी तरह के अन्य वस्तुओं के उपयोग के चलते तापमान में बढ़ोतरी का कारण बनता जा रहा है। मजे की बात यह है कि आज जिसे बेहतर व उपयोगी बताया जा रहा है कुछ समय बाद ही उसे हानिकारक बताने में भी नहीं हिचका जा रहा। आज जापान आदि देशों में माइक्रोवेव ओवन या आरओ आदि के उपयोग को हानिकारक बताया जाने लगा है। पहले प्लास्टिक को बढ़ावा दिया गया और अब उसके दुष्परिणाम सामने हैं। इसी तरह से जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रुप में ईवी वाहनों के प्रोत्साहन के साथ ही दबे स्वर में यह रिपोर्ट आने लगी है कि ईवी का भी असर तापमान बढ़ोतरी पर पड़ेगा। हालात यहां तक होने लगे हैं कि हीट स्ट्रोक के कारण लोगों की ही नहीं जानवरों की भी जान जाने लगी है।

ग्लोबल हीट एक्शन डे के आयोजन के पीछे लोगों को हालात की गंभीरता से सजग करना और अत्यधिक हीटवेव से बचने के लिए सतर्क और सजग करना है। तापमान की बढ़ोतरी का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि स्थानीय निकायों द्वारा तापमान अधिक होने पर आमनागरिकों को राहत देने के लिए सड़कों पर पानी का छिड़काव करवाया जाने लगा है तो जयपुर सहित कई शहरों में सिग्नल वाले रास्तों पर गर्मी से राहत के लिए हरा पर्दा टांगा जाने लगा है। हीट एक्शन डे के माध्यम से लोगों को सजग करना, हीटवेव से बचने व सुरक्षा के उपायों खासतौर से भूखे पेट नहीं रहना, पानी व तरल पदार्थ का अधिक सेवन के साथ ही छाया में रहने और ढीले कपड़े पहने के साथ ही शरीर को ढक के रखना आदि के प्रति अवेयर करना है। आज लोगों में पशुपक्षियों के प्रति भी संवेदनशीलता बढी है और गर्मी के चलते दाना–पानी की व्यवस्थाएं एक अभियान के रुप में की जाने लगी है। खैर यह तो व्यक्तिगत प्रयासों की बात हुई पर तापमान के चलते जंगलों में दावानल, समुद्र किनारें के शहरों के लिए खतरा व एक ही बरसात में बाढ़ जैसे हालात होना, आंधी तूफान के कारण जन–धन हानि और अन्य समस्याएं तेजी से बढ़ती जा रही है। ऐसे में अभी भी समय है कि हम सजग हो जाएं और प्रकृति से खिलवाड़ कर प्रकृति को विकृति बनाने के स्थान पर प्रकृति को विकास का वाहक बनाने में उपयोग करें तो यह अधिक सकारात्मक होगा। इसके लिए बीट द हीट के हैसटैग से संदेश देने का आह्वान भी लगातार किया जा रहा है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि अब सोचने का समय नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने का समय आ गया है और इसके लिए समग्र व ठोस प्रयास करने होंगे।

दान करना सबसे पुण्य का कार्य

व्यक्ति बड़ी मेहनत से पैसे कमाता है और उस पैसे से परिवार समेत अपना जीवन यापन करता है। शास्त्रों में मेहनत से कमाए हुए धन को परिवार और अपने जीवन यापन पर खर्च करना तो बताया ही गया है। इसी के साथ उस पैसों से दान कर के पुण्य कैसे कमाया जाए यह भी बताया गया है। कुछ लोग मेहनत से धन तो कमाते हैं। परंतु उस कमाए हुए धन से एक भी दान नहीं करते हैं और ढेर सारा पैसा कमाने के बाद भी धन की कमी का आभास करते हैं। धन अर्जित करने के बाद भी इन लोगों के पास पैसा नहीं रुकता है या अनावश्यक कार्यों में पैसा खर्च हो जाता है। आइए आज हम आपको बता रहे हैं कि शास्त्र में मेहनत से कमाई हुई पूंजी को शुभ कार्यों में कितना अंश दान करने से धन की बरकत होती है।

दान देने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

▶▶ शास्त्रों में बताया गया है कि मनुष्य को न्यायपूर्वक ढंग से अर्जित किए हुए धन के 10वें भाग को दान करना चाहिए। यदि आप अपनी कमाई का 10वां अंश शुभ कार्यों या मंदिर में दान करते हैं,तो यह दान परिवार का भरण पोषण करने के बाद ही दान दें। परिवार की इच्छा और उनको कष्ट देकर यदि आप दान देते हैं,तो यह दान फलित नहीं माना जाता है। इसलिए पत्नी, पुत्र और परिवार को कष्ट पहुंचा कर दान नहीं देना चाहिए।

▶▶दान देने के लिए श्रद्धा होनी चाहिए। मान्यता है कि वही दान फलित होता है,जो स्वयं जाकर भेंट किया जाए। किसी को घर पर बुलाकर दिया हुआ दान उत्तम श्रेणी का दान नहीं माना जाता है। उसका फल मिलता तो हैं परंतु मध्यम श्रेणी के अनुसार उसका पुण्य एकत्रित होता है। किसी को भी दान करें,तो उसके द्वार जाकर ही दान देना चाहिए ऐसा शास्त्रों में बताया गया है।

▶▶माना जाता है कि दान करते समय यदि उस व्यक्ति के कोई कान भरता है या फिर उसे दान जैसे पुण्य कर्म करने से रोकता है,तो वह व्यक्ति शीघ्र ही कंगाल हो जाता है। ब्राह्मणों, असहाय लोगों और गौओं की सेवा में दी गई कमाई का दान महादान कहलाया जाता है। यदि इनकी सेवा में दिए हुए दान को कोई रोकता है या बाधा उत्पन्न करता है,तो वह भयंकर दुःख का भोगी होता है।

▶▶दान की सामग्री को हमेशा दोनों हाथ लगाकर ही सम्मान पूर्वक सामने वाले को दान देना श्रेष्ठ माना जाता है। ब्राह्मण को दान देते समय हमेशा उस दान का सामर्थ अनुसार संकल्प लेना चाहिए। वही दान आपके कर्म में संचित होता है और उसका शुभ फल आपको शीघ्र मिलता है। मान्यता है जो दान हम पूर्ण विधि विधान से देते हैं,वही फल हमें आगे चल कर मिलता है।

▶▶पितृ के निमित्त दिया दान तिल को होठ में रख कर देना चाहिए वहीं देवताओं के निमित्त दिए हुए दान के समय चावल का प्रयोग हाथों में करना चाहिए। तभी वह दान फलित होता है और देव एवं पितृ उसे खुशी से स्वीकार कर आशीर्वाद देते हैं।

▶▶शास्त्रों में घर, वस्त्र, कन्या, अन्य और गौ माता का दान देने का विधान उत्तम बताया गया है। एक ही व्यक्ति को दान देना चाहिए।

महिलाओं के लिए सुपरफूड

बढ़ती उम्र के साथ हमें अपनी डाइट और लाइफस्टाल में बदलाव कर लेने चाहिए। खासतौर से महिलाओं को अपनी डाइट का ज्यादा ख्याल रखने की सलाह दी जाती है। ऐसे इसलिए कहा जाता है,क्योंकि 40 साल के बाद महिलाओं के शरीर में काफी हार्मोनल बदलाव आने लगते हैं। जिसका असर उनकी सेहत पर भी होने लगता है। बढ़ती उम्र चेहरे पर दिखने लगती है। शरीर धीरे-धीरे कमजोर होने लगता है। अगर आप लंबे समय तक जवां रहना चाहती हैं और एजिंग को दूर करना चाहती हैं तो डाइट में इन 4 चीजों को जरूर शामिल कर लें।

आंवला- महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए आंवला बहुत फायदेमंद माना गया है। आयुर्वेदिक दवाओं में आंवला का इस्तेमाल किया जाता है। इसे चिर यौवन फल भी कहा जाता है। यानि आंवला खाने से आपकी बढ़ती उम्र थम जाती है। आंवला शरीर के तीनों दोषों को कंट्रोल करता है। इससे कब्ज, गैस, एसिडिटी और हड्डियों से जुड़ी बीमारियों को दूर किया जा सकता है। आंवला खाने से त्वचा, बाल और इम्यूनिटी मजबूत बनती है। एजिंग को कम करने के लिए आंवला कमाल का काम करता है।

अशोका- अशोका एक आयुर्वेद टॉनिक है जिसे काफी हेल्दी माना जाता है। महिलाओं को के लिए अशोका बहुत फायदेमंद है। इससे फीमेल की फर्टाइल हेल्थ अच्छी रहती है। 40 की उम्र के बाद मेंस्टुअल साइकिल को ठीक बनाए रखने में अशोका से मदद मिलती है। इससे मेनोपॉज के दौरान आने वाली परेशानियों को भी कम किया जा सकता है।

शतावरी- ये महिलाओं के लिए एक जादुई जड़ी-बूटी की तरह काम करती है। महिलाओं के हार्मोन्स को बैलेंस करने में शतावरी मदद करती है। इससे दिमाग और शरीर काफी रिलैक्सिंग फील करता है। पीरियड्स, फर्टिलिटी और मेनोपॉज के दौरान शतावरी काफी फायदेमंद साबित होती है। 40 साल के बाद महिलाओं को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

मोरिंगा- सुपरफूड मोरिंग किसी वरदान से कम नहीं है। महिलाओं की सेहत के लिए मोरिंगा बहुत फायदेमंद माना गया है। मोरिंग में आयरन, कैल्शियम और भरपूर मिनरल्स पाए जाते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्व एजिंग को कम करने में मदद करते हैं। मोरिंगा से वात और कफ को बैलेंस करने और वजन को कंट्रोल करने में भी मदद मिलती है।

स्वस्थ, सुंदर और ग्लोइंग स्किन पाने के लिए हेल्दी फूड्स

उम्र बढ़ने के साथ आपको शरीर और त्वचा का खास ख्याल रखने की जरूरत है। खान-पान का असर आपकी सेहत और त्वचा दोनों पर पड़ता है, ऐसे में चेहरे पर झुर्रियां दिखने लगती हैं। त्वचा लटकने लगती है या फिर रंगत फीकी पड़ने लगती है। अगर आपको भी ऐसी समस्या हो रही हैं,तो आपको अपनी लाइफस्टाइल और भोजन में कुछ बदलाव करने चाहिए। त्वचा को हेल्दी और

लंबे समय तक जवान बनाए रखने के लिए आपको डाइट में कुछ सुपरफूड जरूर शामिल करने चाहिए। ये हैं चमकदार स्किन के लिए 5 सुपरफूड।

टमाटर

हेल्दी और खूबसूरत त्वचा पाने के लिए टमाटर बहुत अच्छा विकल्प है। आप खाने में रोज एक टमाटर खाएं इससे शरीर को विटामिन ए, विटामिन सी और पोटैशियम अच्छी मात्रा में मिलेगा। ग्लोइंग स्किन के लिए डाइट में टमाटर ज़रूर शामिल करें।

पालक

आपके स्वास्थ्य के लिए हरी सब्जियां बहुत फायदे मंद हैं। पालक थकान दूर करने, नींद की कमी पूरा करने, एनीमिया और डार्क सर्कल की समस्या को दूर करने में मदद करता है। पालक से शरीर को भरपूर आयरन, विटामिन के और सी मिलता है।

नट्स और सीड्स

स्वस्थ त्वचा पाने के लिए आप खाने में नट्स और सीड्स जरूर शामिल करें। डाइट में बादाम, काजू, किशमिश, अखरोट शामिल करने चाहिए। फ्लैक्स सीड्स, कद्दू के बीज, चिया सीड्स को भी अपने आहार का हिस्सा बनाएं। इनसे विटामिन ई मिलता है, जो त्वचा की नमी को बरकरार रखता है।

दही और ओटमील

आपको डाइट में विटामिन बी से भरपूर दही और ओट्स जैसी चीजें भी अपनी डाइट में शामिल करनी चाहिए। त्वचा में नमी बरकरार रखने के लिए विटामिन बी बहुत जरूरी है। इसके लिए आप दही जरूर खाएं।

बेरीज़

त्वचा को हेल्दी रखने के लिए डाइट में खट्टे फल और बेरीज़ जरूर शामिल करनी चाहिए। खट्टे फलों से शरीर को विटामिन सी मिलता है और बैरीज शरीर में कोलेजन की मात्रा बढ़ाने में मदद करते हैं। कोलेजन त्वचा को मुलायम और जवान बनाए रखने में मदद करता है। बेरीज़ में मौजूद एंटीऑक्सीटेंड बढ़ती उम्र को भी कम करते हैं।

विटामिन और मिनरल का अच्छा सोर्स है बाजरा

आयुर्वेद में कहा गया है कि अगर आपको स्वस्थ रहना है तो सीजन के हिसाब से भोजन करना चाहिए। यानि ऋतु फल, सब्जियां और अन्न को अपने भोजन का हिस्सा बनाएं। ठंड में ऐसे फल सब्जियां आते हैं,जो शरीर को गर्म रखते हैं और बीमारियों से बचाते हैं। बाजरा की रोटी खाने में स्वादिष्ट लगती है और सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है। सर्दियों में बाजरा की रोटी और सरसों का साग खाने को मिल जाए तो मज़ा आ जाता है। पंजाब से लेकर हरियाणा और यूपी में बाजरा काफी खाया जाता है। फाइबर से भरपूर बाजरा प्रोटीन, विटामिन और मिनरल का अच्छा सोर्स है।

बाजरा में कौन से पोषकतत्व पाए जाते हैं

सबसे पहले जान लें कि बाजरा में कौन-कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं। बाजरा में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। डाइट्री फाइबर, प्रोटीन और विटामिन भी भरपूर होता है। बाजरा आयरन और जिंक का अच्छा सोर्स है। इसके सेवन से शरीर को विटामिन बी3, विटामिन बी6 और विटामिन बी9 मिलता है।

बाजरा से क्या क्या बनता है

बाजरा से आप कई तरह की डिश बनाकर खा सकते हैं। आप गेहूं के आटे में बाजरा मिक्स करके खाने में शामिल कर सकते हैं। आप सिर्फ बाजरा की ही रोटी बनाकर खा सकते हैं। बाजरा के पराठे और मीठी टिक्की भी बनती है। बाजरा की खिचड़ी भी खाने में बहुत टेस्टी लगती है। आप चाहें तो बाजरा को उबालकर स्पाउट्स की तरह खा सकते हैं।

बाजरा खाने के फायदे

हार्ट अटैक से बचाए- आजकल हार्ट अटैक के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। खासतौर से सर्दियों में हार्ट अटैक का खतरा काफी बढ़ जाता है। ऐसे में दिल के मरीज को बाजरा का सेवन करना चाहिए। इसमें काफी मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है जो हार्ट के लिए अच्छा होता है।

डायबिटीज को कंट्रोल करे- डायबिटीज के मरीज को खाने में आटा सोच समझकर खाना चाहिए। डायबिटीज में बाजरा का आटा बहुत फायदेमंद होता है। बाजरे की रोटी खाने से ब्लड शुगर कंट्रोल में रहता है। क्योंकि इसमें फाइबर काफी होता है। बाजरा खाने से कब्ज से भी राहत मिलती है।

हाई ब्लड प्रेशर में फायदा- हाइपरटेंशन के शिकार लोगों को बाजरा की रोटी खानी चाहिए।

बैड कोलेस्टॉल घटाता है- फिटनेस फ्रीक लोग बाजरा यानि मिलेट्स का सेवन करने लगे हैं। पहले बाजरा गांव- देहात के लोग ज्यादा खाते थे। यही वजह है कि उनका शरीर बीमारियों से दूर रहता था। बाजरा खाने से बैड कोलेस्ट्रॉल को कम किया जा सकता है।

नसों की बीमारी वाले सोते समय तकिया कहां लगाएं?

आजकल की लाइफस्टाअल और स्ट्रेस लोगों में नसों की बीमारी का कारण बन रही है। स्थिति ये है कि बहुत से लोग साइटिका, सर्वाइकिल और फिर वैरिकोज वेन्स की समस्या से गुजर रहे हैं। ये समस्या ऐसी है कि लोगों को उठने-बैठने और चलने फिरने तक में परेशान करती है। ऐसे में सोने का तरीका या कहें कि तकिया लगाकर आप कैसे सोते हैं ये सब इस समस्या को प्रभावित करता है। ऐसे में जानना जरूरी है कि सोते समय आप तकिया कहां और कैसे लगाएं। तो, जानते हैं इन तमाम चीजों के बारे में विस्तार से।

साइटिका में कैसे सोएं और तकिया कहां लगाएं?

साइटिका में आपके हिप्स और आपके पैर के पिछले हिस्से में दर्द बहुत होता है। ऐसी स्थिति में सोने से आपकी पीठ के निचले हिस्से और कूल्हों में मरोड़ हो सकती है, जिससे तंत्रिका पर और अधिक दबाव पड़ने से दर्द बढ़ सकता है। ऐसे में अपने घुटनों के बीच तकिया रखकर सोने से आपको अपनी रीढ़ को सीधा रखकर दर्द को कम करने में मदद मिल सकती है।

वैरिकोज में कैसे सोएं और तकिया कहां लगाएं?

वैरिकोज मुड़ी हुई नसें होती हैं जो त्वचा के ठीक नीचे होती हैं। ये आमतौर पर पैरों में होते हैं। कभी-कभी वैरिकाज नसें शरीर के अन्य हिस्सों में भी बन जाती हैं। ऐसे में बाईं करवट सोने से वैरिकोज वेन्स और अन्य संवहनी समस्याओं में आराम मिलता है। बाईं करवट सोने से वेना कावा पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव से राहत मिलती है और इससे दर्द कम होता है। ऐसे में तकिया पैरों के नीचे लगाएं ताकि पैर आराम में आएं और नसों का प्रेशर कम हो। तो, अगर आपको इन दोनों समेत नस की कोई भी बीमारी है तो सिर में तकिया लगाने की जगह पैरों मे लगाएं और बाईं करवट सोएं। इससे आराम महसूस करेंगे जिसकी वजह से इसके दर्द से राहत मिलती है।

बादाम खाने का सही तरीका

हेल्दी रहने के लिए डॉक्टर्स नट्स और सीड्स खाने की सलाह देते हैं। सबसे ज्यादा फायदेमंद ड्राईफ्रूट में बादाम का नाम सबसे ऊपर आता है। रोजाना बादाम खाने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं। ज्यादातर लोग सुबह के वक्त ही बादाम खाते हैं। कुछ लोग पानी में भिगोकर बादाम खाते हैं तो कुछ लोग रोस्टेड बादाम खाते हैं।

बादाम खाने का सही समय

बादाम खाने का सही समय सुबह का वक्त होता है। आप खाली पेट बादाम खाएंगे तो इससे शरीर को तुरंत एनर्जी मिलेगी। आप ठंड में बिना भिगोए भी बादाम खा सकते हैं। वैसे भीगे हुए बादाम सबसे ज्यादा फायदा करते हैं। बादाम में फाइबर भी होता है जिससे पेट भर जाता है। आप चाहें तो शाम को स्नैक्स के रूप में भी रोस्टेड बादाम खा सकते हैं। बच्चों को बादाम का पाउडर बनाकर दूध में डालकर या फिर दलिया और हलवा में मिक्स करके खिला सकते हैं।

दिन में कितने बादाम खाने चाहिए

मुट्ठी बंद करके जितने बादाम हाथ में आएं आप उतने बादाम एक दिन में खा सकते हैं। यानि आप करीब 8-10 बादाम रोजाना खा सकते हैं। सर्दियों में बादाम की मात्रा थोड़ी बढ़ा सकते हैं। गर्मी के मौसम में आपको भिगोकर ही बादाम खाना चाहिए। भीगे हुए बादाम ज्यादा फायदा करते हैं इन्हें पचाना आसान हो जाता है। बच्चों को 2-3 बादाम खिला सकते हैं। बुजुर्ग लोगों को 5-6 भीगे बादाम खाने के लिए दे सकते हैं।

बादाम खाने के फायदे

दिमाग को तेज बनाए- रोजाना बादाम खाने से मैमोरी तेज होती है। बादाम में फाइबर और प्रोटीन अच्छी मात्रा में होता है। जो दिमाग को तेज बनाता है। बच्चों के ब्रेन को शार्प बनाने ते लिए बादाम जरूर खिलाएं। बादाम में विटामिन ई और बी 6 होता है जो अल्ज़ाइमर के खतरे को कम करता है। रोज बादाम खाने से भूलने की बीमारी नहीं होती है।

खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाए

दिल के मरीज के लिए बादाम बहुत फायदेमंद माना जाता है। बादाम खाने से शरीर को पोटेशियम, मैग्नीशियम और प्लांट प्रोटीन मिलता है, जो बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। भीगे हुए बादाम में कम कैलोरीज होती हैं जिससे वजन घटाने में भी मदद मिलती है।

विटामिन की कमी पहचानने के सरल तरीके

हमारे शरीर में हर विटामिन की अपनी खास भूमिका है। ये शरीर की अलग-अलग स्थितियों के लिए काम करता है। जहां कभी ये आपके मेटाबोलिक रेट से जुड़ी स्थितियों के लिए काम करता है, तो कभी ये ब्रेन से जुड़ी दिक्कतों को दूर करता है। जैसे कि विटामिन ए आपकी आंखों की सेहत के लिए फायदेमंद है। तो, विटामिन बी आपकी ब्रेन और शरीर के अंदर मैसेजिंग को सही करता है। इसके अलावा विटामिन सी आपको कई प्रकार से संक्रामक रोगों से बचाता है। तो, विटामिन डी डिप्रेशन के लक्षणों को कम करने में मदद करता है। लेकिन, जब इनकी कमी होने लगे तो हम इसे कैसे पहचान सकते हैं। जानते हैं इस बारे में विस्तार से।

मूड स्विंग्स विटामिन डी की कमी

विटामिन डी की कमी से मूड स्विंग्स की समस्या ज्यादा हो सकती है। ये डिप्रेशन की भावना दे सकती है। विटामिन डी की कमी वाले लोगों में ये अवसाद का कारण बन सकता है। इससे आप ज्यादा दुखी रह सकते हैं और हर समय चिड़चिड़ापन महसूस कर सकते हैं। तो, अगर आपको मेंटल हेल्थ से जुड़ी कोई समस्या हो रही है तो आपके शरीर में विटामिन डी की कमी हो सकती है।

आंखों की कमजोरी विटामिन ए की कमी

आंखों की कमजोरी का एक बड़ा कारण विटामिन ए की कमी है। दरअसल, ये आंखों की रोशनी बढ़ाने के साथ कॉर्निया की सेहत के लिए जरूरी है। साथ ही ये आपको डिजनरेटिव नुकसानों से भी बचाता है। तो, अगर आपकी आंखें कमजोर हो रही हैं तो ये विटामिन ए की कमी हो सकती है। ऐसे में विटामिन ए से भरपूर फूड्स का सेवन करें।

बार-बार बीमार पड़ना विटामिन सी की कमी

बार-बार बीमार पड़ना विटामिन सी की कमी से जुड़ा हुआ हो सकता है। दरअसल, विटामिन सी वो विटामिन है जो कि इम्यूनिटी बढ़ाने में मददगार है। ये मौसमी बीमारियों और फ्लू आदि से बचाता है। इसके अलावा ये टी सेल्स को बढ़ावा देता है और आपको कई बीमारियों से बचाव में मदद कर सकता है।

थकान और कमजोरी विटामिन बी की कमी

थकान और कमजोरी विटामिन बी की कमी से जुड़ा हुआ हो सकता है। दरअसल, अगर आपको लंबे समय तक के लिए थकान महसूस हो रही है या फिर हर समय आप कमजोरी महसूस हो रही है तो ये विटामिन बी की कमी हो सकती है। तो, इन लक्षणों पर नजर रखें और समय रहते डॉक्टर दिखा लें।

हींग है गुणों की खान

अनियमित जीवनशैली और गलत खानपान की वजह से पेट से जुड़ी समस्याएं पैदा होती हैं, कब्ज भी उन्हीं में से एक है। कब्ज के मरीजों को मल त्यागने में बेहद कठिनाई होती है। उनका स्टूल जल्दी पास नहीं होता है, इस वजह से वे घंटों टॉयलेट में बैठे रहते हैं। वहीं, कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें मल त्याग करते समय तेज दर्द होने लगता है और बाद में उन्हें खून भी निकलता है। ऐसे में कब्ज की समस्या को बिलकुल भी अनदेखा नहीं करना चाहिए। अगर आपको भी कब्ज की परेशानी है, तो अपने डाइट में हींग का सेवन शुरू कर दें। चलिए आपको बताते हैं कब्ज में हींग कैसे असरदार है। हींग का इस्तेमाल यूं तो दाल का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है,लेकिन यह छोटा दिखने वाला मसाला आपको कब्ज और पेट की कई बीमारियों से छुटकारा दिला सकता है। हींग में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं जो कब्ज, अपच और पेट में गैस और की समस्या से राहत दिलाने में बेहद कारगर हैं। खाली पेट हींग का पानी पियें।

ऐसे करें हींग का इस्तेमाल

सबसे पहले एक गिलास पानी को गर्म कर लें। अब गर्म पानी में 1 चम्मच हींग मिलाएं। पानी में हींग को अच्छी तरह घोल लें। जब पानी हल्का गुनगुना हो जाए तब इसका सेवन करें।

प्याज को न समझें कम, कोलेस्ट्रॉल को धमनियों से छानकर बाहर निकाल फेकती है, ऐसे सेवन करने से मिलेंगे लाभ पेट से जुड़ी इन परेशानियों में है।

पाचन में असरदार

हींग आपकी पाचन क्षमता को मजबूत बनाता है। खाली पेट एक चुटकी हींग खाने से आपको पेट से जुड़ी परेशानियों में फायदा मिलेगा। अपच या पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए आप डॉक्टर की सलाह पर हींग का सेवन करते हैं।

पेट दर्द में कारगर

हींग में मौजूद प्रॉपर्टीज़ ब्लोटिंग, पेट में दर्द और गैस की समस्या को चुटकियों में खत्म करते हैं। कई बार पेट में दर्द गैस या ब्लोटिंग की वजह से होता है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए रोजाना चुटकी भर हींग का सेवन खाली पेट करना फायदेमंद माना जाता है।

बॉडी टेंपरेचर को कैसे करें कंट्रोल

रात में अगर अच्छी नींद न आए तो सुबह चेहरा उतरा हुआ और बीमार सा दिखाई देता है। घर हो या ऑफिस नींद न आने से दिनभर आप थकान महसूस करते हैं। लंबे समय तक नींद पूरी नहीं होने से चिड़चिड़ापन भी आने लगता है। बार-बार नींद टूटने या रात में अच्छी नींद नहीं आने के कई कारण हो सकते हैं। कुछ लोगों को रात में सोते वक्त बहुत गर्मी लगती है तो वहीं कुछ लोग ठंड की वजह से नहीं सो पाते हैं। अब सवाल उठता है कि रात में अचानक ठंड लगने या गर्मी लगने के क्या कारण हो सकते हैं। एक रिसर्च में ये पता चला है कि बॉडी के डिहाइड्रेट होने के कारण शरीर का तापमान बदलता है। शरीर में पानी की कमी होने से नींद में खलल पड़ता है। जानिए कैसे?

बॉडी टेंपरेचर को कंट्रोल करता है पानी

रात में सोने से पहले पानी पीने की सलाह डॉक्टर्स भी देते हैं। सोने से पानी दवाई के जैसे असर करता है। अगर आप रूम टेंपरेचर के हिसाब से पानी पिएंगे, तो इससे सुबह आप एकदम फ्रेश फील करेंगे। रात में पानी पीने से स्किन ग्लो करती है। इससे पेट साफ होगा और आप दिनभर एनर्जेटिक महसूस करेंगे।

रात में सोने से पहले कैसा पानी पीना चाहिए?

अब सवाल आता है कि रात में सोने से पहले कैसा पानी पीना चाहिए? क्या ठंडा पानी अच्छा होता है या गर्म पानी पीने से नींद अच्छी आती है? इसके लिए डॉक्टर रात में गुनगुना पानी पीने की सलाह देते हैं। ठंड के दिनों में आपको हल्का गर्म पानी पीना चाहिए। अगर बहुत तेज गर्मी है तो आप नॉर्मल पानी पी सकते हैं। रात में ठंडा पानी पीने से बचना चाहिए। इससे आपको नींद अच्छी आएगी। पेट और पाचन मजबूत बनेगा। सुबह आपकी त्वचा खिली-खिली और फ्रेश नज़र आएगी।

रात में गहरी नींद कैसे पाएं?

आजकल लोगों को नींद की समस्या काफी होने लगी है। इसकी वजह फोन, लाइफस्टाइल और खान-पान भी है। अच्छी नींद के लिए जरूरी है कि आप टाइम से सोने की कोशिश करें। जब रात में सोने जाएं तो फोन, लैपटॉप, टीवी को से खुद को दूर कर लें। करीब आधा या 1 घंटा पहले इन चीजों से दूर हो जाएं।

संक्षिप्त समाचार

महापौर श्रीमती बाघमार ने तकिया पारा का निरीक्षण कर लोगों से हुए रूबरु

दुर्ग/ समय दर्शन। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज महापौर श्रीमती अलका बाघमार व आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा नगर निगम के तकनीकि अमला के साथ नाली,नाला साफ-सफाई कार्य देखने आज सुबह वार्ड नं.08 पहुँचे। उन्होंने एमआई सी प्रभारी नरेंद्र बंजारे,शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर,स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी सदस्य नीलेश अग्रवाल,पार्षद खालिक रिजवी,बाबू ताम्रकर,गुलाब वर्मा के साथ तकिया पारा में पैदल भ्रमण कर लोगों से रूबरू हो सफाई,नाली सफाई एवं पानी के संबंध में वार्डवासियों से चर्चा किए। महापौर श्रीमती बाघमार ने कमिश्नर श्री अग्रवाल के साथ तकिया पारा के लुचकि तालाब क्षेत्र,इमाम चौक,बम पारा के अलावा चुना लाइन,नवाब मार्ग सहित अशरफनगर क्षेत्र में घुमकर लोगों से चर्चा कर कहा कि आगामी बारिश के मौसम में वर्षा जनित बीमारी से बचने साफसफाई रखे,अपने आस पास पानी जमाव की स्थिति निर्मित न होने दे। उन्होंने रहवासियों से कहा नाली और सड़कों में कचरा न डाले, डोर टू डोर कचरा संग्रहण गाडी में ही कचरा डाले एवं यूजर चार्ज देवे। उन्होंने कहा कि निगम द्वारा नाली नालो की सफाई कराई जा रही है, इसमें सहयोग करे और नाली में मलमा आदि न डाले। महापौर ने तकिया पारा वासियो से मुलाकात किए। वार्ड पार्षद श्री रिजवी के तकिया पारा में पानी निकासी के लिए नाली निर्माण की मांग पर संबंधित उप अभियंता को प्रक्रिया करने कहा।वार्ड नगर वासियो से महापौर श्री बाघमार ने मुलाकात कर पानी सफाई के संबंध में चर्चा किए।लोगों से कहा नाली के ऊपर चेम्बर बनावे, ताकि पानी भरान की स्थिति निर्मित न हो। उन्होंने नाली नालों की नियमित सफाई कराने कहा।निरीक्षण के दौरान उप अभियंता मोहित भरकाम,कर्मशाला अधीक्षक शोएब अहमद,प्रकाश अहीर,गौतम साहू,रामलाल भट्ट,मनोहर शिंदे व सहित निगम का अमला उपस्थित थे।

निर्माणाधीन वैशाली नगर थाने के बगल ग्राउंड से 7 अवैध कब्जाधारियों को हटाया गया

भिलाईनगर (समय दर्शन)। वैशाली नगर क्षेत्र शांति नगर में नया पुलिस थाना बनाया जा रहा है। जिसके चारों तरफ बाउंड्री वालों का निर्माण किया जाना है। आधे क्षेत्र में बाउंड्री वॉल का निर्माण हो गया है। थाने से लगे हुए मंदिर के समीप से लाइन से प्रस्तावित सड़क के ऊपर अवैध कब्जा कब्जाधारियों द्वारा नजूल के जमीन पर अतिक्रमण कर लिया गया था। उसे क्षेत्र का सीमांकन शासकीय राजस्व निरीक्षक नगर निगम का भवन अनुज्ञा विभाग, एवं जोन राजस्व विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सीमांकन किया गया। सीमांकन में अवैध कब्जा मिला। संबंधित कब्जा धारी को अपना कब्जा रिक्त करने के नोटिस दिया गया । किसी के द्वारा भी अवैध कब्जा नहीं हटाया गया। जिसके कारण बाउंड्री वॉल निर्माण का कार्य प्रभावित हो रहा था। उसी के समीप सर्विस रोड का निर्माण एवं नाल नाली निर्माण प्रस्तावित है। आज नगर निगम की टीम जोन आयुक्त ऐशा लहरे के देख रेख में पुलिस बल के सहयोग से 7 अवैध कब्जे को रिक्त करवाया। प्रत्येक व्यक्ति द्वारा लगभग 3 से 4 हजार वर्ग फुट भूमि पर दीवाल निर्माण करके अवैध कब्जा कर लिया गया था। एक कब्जाधारी देवेंद्र कुमार अवैध कमरा बना करके उसे शबनम बानो को किराए पर दिया था। निगम की टीम जब वहां पहुंची तो वहां पर किराए पर रहने वाली महिलाओं द्वारा विरोध किया जा रहा था। निगम के कर्मचारी एवं पुलिस बल के ऊपर डंडा लेकर हमला करने का भी प्रयास किया गया। कुछ महिलाएं पुलिस के साथ भी उलझ गई। एक महिला शबनम बानो एवं पुरुष को पकड़ के वैशाली नगर थाने गिरफ्तार करके पुलिस ले ले गई। उनसे पूछताछ करने के लिए। कार्रवाई के दौरान एक वर्ग विशेष की एक ही उम्र के लगभग की महिलाएं एकत्रित हो गई थी। यह भी जानकारी मिली है कि जिस मकान में रह थे मकान मालिक देवेंद्र कुमार द्वारा इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी गई है। पुलिस उसकी तहकीकात कर रही है। पुलिस विभाग के रिटायर्ड अधिकारी के अवैध कब्जे को थाना प्रभारिक अमित अदानी उपस्थिति में हटाया गया। कार्रवाई के दौरान भवन अनुज्ञा अधिकारी अधिकारी अरविंद शर्मा, राजस्व अधिकारी शरद दुबे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मिश्रा, अभियंता श्वेता वर्मा, तोड़फोड़ प्रभारी हरिओम गुप्ता, जोन स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह, हरि ताम्रकार , मदन मोहन तिवारी, लोकेश बया, कृष्ण कुमार सुपेल, प्रतीक, समीर, शासकीय राजस्व निरीक्षक नरसिंह साहू , पुलिस विभाग के थाना प्रभारी एवं पुलिस बल की उपस्थिति में कार्रवाई की गई ।

बरडीह के पूर्व सरपंच पर शासन प्रशासन की आंखों में धूल झोंककर 518575/- रुपए की राशि गबन करने का आरोप

बसना (समय दर्शन)। महासमुंद जिलान्तर्गत विकासखंड बसना के ग्राम बरडीह के पूर्व सरपंच पर लग रहे है गबन का आरोप । विश्वसनीर सूत्रों से मामला प्रकाश में आया है, जिसमें एक पूर्व सरपंच द्वारा 518575/- रुपए की राशि का गबन कर वर्तमान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बसना एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बसना को अंधेरे में रखकर 16/01/ 2025 को आदेश पारित करवाकर प्रकरण को ही समाप्त कर दिया गया है । तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बसना आर .के. वर्मा द्वारा पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत बरडीह संजय भोई द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों में अनियमितता तथा भ्रष्टाचार की जांच के .आर. खुराना उप अभियंता,जयलाल साव सहायक आंतरिक लेखा परियोजना एवं करारोपण अधिकारी, संतलाल साहू सहायक आंतरिक लेखा परियोजना एवं करारोपण अधिकारी द्वारा (तीन सदस्य गठित जांच दल) ग्रामीणों की उपस्थिति में जांच उपरांत 518575/ रुपए की वसूली योग्य पाया गया।

जिसे तत्कालीन सी ईओ आर .के .वर्मा द्वारा 518575/- रू की वसूली के लिए तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सरायपाली को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया था ।

सरायपाली एसडीएम द्वारा प्रकरण क्रमांक 202010120500105अ/धारा- 92,वर्ष- 2020-21दर्ज कर पूर्व सरपंच संजय भोई को 29/ 10/2020 को को अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु कारण बताओं नोटिस जारी किया गया। पूर्व सरपंच संजय भोई द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सरायपाली की प्रकरण क्रमांक 20201012500105 अ/धारा- 92,वर्ष- 2020-21 के आदेश से क्षुब्द होकर न्यायालय कलेक्टर महासमुंद ई कोर्ट नम्बर.202110120100004अ/89 प्रकरण दर्ज कराकर पूर्व सरपंच संजय भोई द्वारा अपने ऊपर 518575/- रुपए की वसूली की कार्यवाही को निरस्त करने हेतु निवेदन किया गया ।

तात्कालिक कलेक्टर महोदय महासमुंद प्रभात मलिक(आई .ए. एस.) द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बसना से स्पष्ट प्रतिवेदन प्राप्त कर भूतपूर्व सरपंच संजय भोई द्वारा प्रस्तुत आवेदन को अस्वीकार करते हुए कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बसना द्वारा पत्र क्रमांक 2995 /जनपद पंचायत/ जांच प्रतिवेदन बसना दिनांक 7.11 2019 के द्वारा संजय भोई भूतपूर्व सरपंच ग्राम पंचायत बरडीह के विरुद्ध कार्यों में अनियमितता बरतने की शिकायत जांच 3 सदस्यीय टीम गठित कर कराई गई । जांचोपरांत पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत बरडीह संजय भोई के द्वारा 518575/- रुपए का कुल 06 सीसी रोड निर्माण में गंभीर अनियमितता पाया गया।

जिसके अंतर्गत पूर्व सरपंच संजय भोई की आवेदन को अस्वीकार किया गया ।

यह की संजय भोई पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत बरडीह द्वारा 2025 की पंचायत चुनाव के पहले ही अपने ऊपर (रिकवरी) वसूली 518575/- की राशि को समाप्त करने के लिए एक साजिश रचा गया ।

क्योंकि भूतपूर्व सरपंच संजय भोई जानता था कि, अपने ऊपर (रिकवरी)वसूली की राशि रहते हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में किसी भी पद पर उम्मीदवारी नहीं कर सकता । अपने द्वारा रची साजिश को पूर्ण करने के लिए पूर्व सरपंच संजय भोई द्वारा समक्ष न्यायालय श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व महोदय बसना को प्रकरण क्रमांक 202010120500105अ/धारा- 92,वर्ष- 2020-21 को समाप्त किए जाने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया ।

लेकिन एक कहावत है की गुनहागार कहीं न कहीं गुनाह की अंश को छोड़ ही जाता है , और ऐसा ही हुआ,, पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत बरडीह के साथ।

ज्ञात हो कि

संजय भोई पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत बरडीह द्वारा दिनांक 02/01/2025 अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बसना को दिए आवेदन में न्यायालय कलेक्टर महासमुंद ई कोर्ट नंबर नम्बर (प्रकरण क्रमांक).202110120100004अ/89 का उल्लेख ही नहीं किया गया ,क्योंकि पूर्व सरपंच संजय भोई को मालूम था,, यदि यह जानकारी दिनांक02/01/2025/ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बसना को दिए आवेदन में जानकारी प्रस्तुत किया तो मेरा आवेदन अस्वीकार कर दिया जाएगा । एक साजिश रचते हुए पूर्व सरपंच संजय भोई द्वारा 02/01/2025 को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बसना को एक आवेदन प्रस्तुत किया गया । लेकिन तात्कालिक अनुविभागीय अधिकारी बसना मनोज खांडे के द्वारा उक्त प्रकरण में ऐसा क्या मटेरियल एवं दस्तावेज प्राप्त हुआ, जिससे कि दिनांक 16/01/ 2025 को संजय भोई के विरुद्ध जांच आवेदन समाप्त कर नस्तीबद्ध कर दिया गया है ।

जिसे पूर्व सरपंच संजय भोई अपने द्वारा रचित साजिश में सफलता प्राप्त करते हुए 2025 की त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में ग्राम पंचायत बरडीह के वार्ड क्रमांक 2 में पंच पद हेतु नामांकन दाखिल किया ।और पंच भी निर्वाचित हो गया।

अब देखना यह है कि, जिस पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत बरडीह के ऊपर (रिकवरी)वसूली 518575/- रुपए की राशि तात्कालिक कलेक्टर महासमुंद प्रभात मलिक (आई .ए.एस.)द्वारा वसूली योग्य अनियमितता पाया गया, और अधीनस्थ न्यायालय द्वारा प्रकरण में की जा रही कार्रवाई को विधिवत पाया गया।

ग्राम बरडीह के अशोक गड़तिया उम्र 50वर्ष पिता मधुबन गड़तीया द्वारा मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन,गृह मंत्री छत्तीसगढ़ शासन एवं कलेक्टर महासमुंद को पूर्व सरपंच संजय भोई के द्वारा किए गए गबन की राशि 518575/ रुपए संजय भोई से वसूली कर एवं इसके गलत कार्यों में साथ देने वाले उक्त भ्रष्ट अधिकारियों के विरुद्ध जांच कमेटी बिठाकर उचित कार्रवाई कर उनके विरुद्ध उचित दंडात्मक कार्यवाही किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है ।

अब देखना यह है कि, तात्कालिक कलेक्टर महोदय के आदेशों का पालन किया जाकर 518575/- रुपए की राशि वसूली किया जाता है , या फिर तात्कालिक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बसना मनोज खांडे द्वारा समाप्त प्रकरण को यथावत रखा जाएगा ।

देश की आजादी और देश के निर्माण में जिनका योगदान नहीं वह संविधान बदलने की बात करते हैं - भूपेश बघेल

संविधान बचाओ रैली में केंद्र और छत्तीसगढ़ सरकार पर जमकर बरसे भूपेश बघेल

दुर्ग (समय दर्शन)। राजीव भवन में दुर्ग ग्रामीण कांग्रेस, दुर्ग शहर कांग्रेस, भिलाई जिला कांग्रेस के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित संविधान बचाव रैली में जिले भर के हजारों कांग्रेसी कार्यकर्ता वह जनप्रतिनिधि ग्रुप पहुंचे मुख्य रूप से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू विधायक देवेंद्र यादव पूर्व विधायक अरुण गोरा जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर दुर्ग शहर अध्यक्ष गया पटेल भिलाई जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर महापौर नीरज पाल महापौर शशि सिन्हा सहित अन्य वरिष्ठ नेता गण की उपस्थिति में संविधान बचाओ रैली के पूर्व राजीव भवन में आमसभा संपन्न हुई । उसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अगुवाई में रैली राजीव भवन से पांच कंडील, मोती कॉम्प्लेक्स, पुराना बस स्टैंड होते हुए दो किमी पदयात्रा कर हिंदी भवन के सामने गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर रैलीसमाप्त हुई ।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जिनका देश की आजादी प्रदेश के निर्माण में कोई योगदान नहीं वह संविधान बदलने की बात करते हैं केंद्र में बैठी सरकार जनता के विपरीत कार्य कर रही है संविधान के विपरीत कार्य कर रही है कानून को परिवर्तन करने का कार्य कर रही है । भारतीय संविधान आमजन को अधिकार देता है चाहे मजदूर हो किसान हो महिला हो छात्र हो पिछड़ी जाति हो जनजाति हो अल्पसंख्यक को व्यापारी हो सबको संविधान सुरक्षा प्रदान करता है सबको बोलने का अभिव्यक्ति का आजादी संविधान में दी गई है संविधान के तीन अंग विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका है इनको निष्पक्षता से कार्य करने की आजादी देश का संविधान देता है, लेकिन भाजपा सरकार लोकसभा में

विपक्ष के सांसदों को विधायकों को बोलने नहीं दिया जा रहा है राज्यसभा में प्रतिपक्ष नेता मल्लिका अर्जुन खडगे के बोलने पर म्यूट कर दिया जाता है । राहुल गांधी बोलते हैं तो उनकी बातों को लिपिबद्ध नहीं किया जाता , केंद्र सरकार सरकारी तंत्रों का ईडी सीबीआई आईटी जैसी संस्था का दुरुपयोग कर रही है उन्होंने कांग्रेस के नेताओं पर मुझ पर देवेंद्र यादव वन्य कार्यकर्ताओं पर सैकड़ो छापे मारे ना मेरे यहां कुछ मिला ना देवेंद्र यादव के यहां न अन्य कांग्रेसी के यहां । इन्हें मालूम नहीं हम महात्मा गांधी जी के मानने वाले हैं जो पहले अंग्रेजों से लड़ने में नहीं डरे तो हम अब इनसे क्या डरेंगे ।

प्रदेश में शिक्षकों का पद समाप्त किया जा रहा है हजारों सरकारी स्कूल बंद कर रहे हैं नए रोजगार देना छोड़ लोगों को बेरोजगार किया जा रहा है भाजपा के शासन से किसान, व्यापारी, छात्र आमजन सभी वर्ग परेशान है ।

पूर्व गृह मंत्री ताम्रधजसाहू ने कहा देश को मोदी और अमित शाह अपने मुताबिक चलना चाह रहे हैं, ये निर्वाचन आयोग से लेकर सभी प्रमुख एजेंसी की नियुक्ति खुद करते हैं देश के ज्यादातर दलों ने मतपत्र से चुनाव की मांग की गई तो भी ईवीएम से ही चुनाव करते है । अभी जब सेना ने पाक स्थित आतंकवादी ठिकानों में हमला कर आतंकवादियों को ढेर किया तो भाजपा नेता उनका मनोबल तोड़ने की बात करते है महिला सैनिक को आतंकवादी की बहन बता कर हिन्दू मुस्लिम कर उनको अपमानित करते है ।

जिला ग्रामीण अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार अपने और अपने उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने कानूनी नियम बदल देती है जब से प्रदेश में भाजपा सरकार बनी है उद्योगपतियों को खनिज खदान देने के लिए हसदेव के जंगलों की कटाई शुरू कर देते हैं विरोध करने वाले ग्रामीण और किसानों को पुलिस घर-घर से उठाकर जेल में डाल देती है अभी वर्तमान में ग्रामीणों के विकास की महत्वपूर्ण योजना मनरेगा को षड्यंत्र पूर्ण वक्त बंद करने का प्रयास किया जा रहा है जिसका कांग्रेस विरोध किया और कहा कि अगर संविधान को बदलने या उससे छेड़छाड़ के किसी भी प्रयास कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेस हर स्तर पर इसका विरोध करेगी ।

आमसभा को भिलाई विधायक देवेंद्र यादव पूर्व विधायक अरुण और आर्यन वर्मा श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर शंकर लाल ताम्रकार अश्वनी साहू ने भी संबोधित किया ।

संविधान रैली में बदरुद्दीन कुरैशी धर्मेंद्र यादव आर एन वर्मा अल्ताफ अहमद जितेंद्र साहू दीपक दुबे धीरज बाकलीवाल अश्वनी साहू ,संदीप वोरा, अयूब खान जीवनलाल वर्मा नीता लोधी राजेश यादव , मदन जैन, राजकुमार नारायणी, बृजमोहन सिंह, प्रवक्ता नासिर खोखर , प्रीतम देशमुख, मुकेश साहू, सौरभ ताम्रकार मोहित वाल्दे, तिलक सिंह राजपूत, राजीव गुप्ता शमशेर कुरैशी , ढालू साहू अशोक साहू ठाकुर राजेश उषा सोनवानी सुनीता चेन्नेवर , कमलेश साहू प्रकाश ठाकुर हीरा वर्मा देवेंद्र देशमुख, राजकुमार पाली , अजय मिश्रा, संजय कोहले।

सरस्वती शिशु मंदिर बसना मे सभा भवन हेतु शिलान्यास व भूमि पूजन समारोह

बसना (समय दर्शन)। सरस्वती शिशु मंदिर बसना में ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सप्तमी तिथि विक्रम संवत् - 2082 तदनुसार दिनांक 02.06.2025 को विद्या भारती संगठन मंत्री माननीय डॉक्टर देवनारायण साहू, लोकसभा क्षेत्र सांसद रूप कुमारी चौधरी के करकमलों से सभा भवन का शिलान्यास भूमि पूजन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ 7 आप सभी के द्वारा भारत माता, प्रणवाक्षर ओम एवं सरस्वती माता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया 7 समस्त अतिथियों को शाल, श्रीफल एवं तिलक से सम्मानित किया गया 7 समिति अध्यक्ष रामचंद्र अग्रवाल ने विद्यालय प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि विद्या भारती अखिल भारती के मार्ग दर्शन में हमारा यह विद्यालय उच्चतर माद्यमिक विद्यालय तक संचालित है 7 गत सत्र 1731 भैया/बहिन अध्ययनरत थे, जिनका मार्गदर्शन 70 आचार्य/दीदीयों के द्वारा किया गया। शारीरिक ,योग, संस्कृत, संगीत, नैतिक, एवं आध्यात्मिक, उड़िया भाषा से शिशुओं का सर्वांगिण विकास हो रहा है, विद्यालय संचालन में अनेक भौतिक संसाधनों की आवश्यकता होती है 7 आप सबके सहयोग से अधिकतम संसाधन उपलब्ध है 7 विद्यालय का स्तर परीक्षा, खेलकूद एवं

सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रशंसनीय है 7 हम कई वर्षों से एक सभा भवन की कमी महसूस कर रहे थे 7 जिसका निर्माण कार्य का शुभारंभ आज दिनांक 02-06-2025 को आपके करकमलों से हो रहा है आगे और भी महती दृष्टिकोण विद्यालय का है 7 जिसमें प्रत्येक वार्ड में विद्यालय का 01 संस्कार केंद्र संचालित हो, विद्यालय का 01 गौशाला, 01 आवासीय विद्यालय प्रारंभ करने का विचार है और हम पूर्ण आशान्वित हैं कि आपके सहयोग एवं आशीर्वाद से जरुर सफल होंगे 7 हमारा शिशु निर्माण से राष्ट्र निर्माण का लक्ष्य अवश्य पूरा होगा 7 आज इस शिलान्यास के शुभ बेला में माध्यमिक बोर्ड परीक्षा में कक्षा द्वादश, दशम, अष्टम और पंचम के प्रतिभावान भैया-बहनों ने अपने परिश्रम से अपना नाम, माता-पिता और विद्यालय का नाम रोशन किया है इन भैया बहनों को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया 7 कक्षा द्वादश से बहिन पूजा पटेल पिता पदमलोचन पटेल ने 89.8% अंक प्राप्त कर कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, भैया मयंक बेहेरा पिता दिलीप बेहेरा ने 85.5% अंक के साथ कक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है, बहिन सीमा प्रधान पिता सुभाष प्रधान ने 83% अंक प्राप्त कर कक्षा में तृतीय स्थान प्राप्त किया है, कक्षा दशम से बहिन पूनम साव पिता यादूमणि साव ने 96.67% अंक के साथ कक्षा में प्रथम एवं जिला में सातवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं माता-पिता का नाम रोशन किया है, बहिन प्रज्ञा पंडा पिता प्रशांत पंडा ने 96.6% लेकर कक्षा में द्वितीय एवं जिला में दसवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं माता-पिता का नाम रोशन किया है, बहिन मुस्कान देवांगन पिता संतोष देवांगन ने 95.83% के साथ कक्षा में तृतीय स्थान प्राप्त किया है, कक्षा अष्टम से बहिन समृद्धि बारीक् पिता श्री नीलमणि बारिक ने 92.66% अंक के साथ कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, बहिन हर्षिता दास पिता श्री भारत भूषण दास ने 92.6% के साथ कक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है, बहिन जयारानी डडसेना पिता मनोहर लाल डडसेना ने 91.6% अंक प्राप्त कर कक्षा में तृतीय स्थान प्राप्त किया है, कक्षा पंचम से बहिन झरना साव पिता शशिकांत साव ने 98% अंक के साथ कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, बहिन प्रज्ञा साहू पिता घसिया साहू ने 95.50% अंक के साथ कक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है, बहिन हिमानी साव पिता चमन लाल साव ने कक्षा पंचम में 94.50% के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है ।

लोकसभा क्षेत्र सांसद श्रीमती रूप कुमारी चौधरी ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज के समय में हम सब शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं लेकिन संस्कार को भूलते जा रहे हैं । वर्तमान में संस्कार की बहुत ही आवश्यकता है जिसे सरस्वती शिशु मंदिर ने इस भारतीय संस्कृति को बचा कर रखा है । संगठन मंत्री देवनारायण साहू ने सभागृह निर्माण के बारे में बताया की सभागृह का बनना बहुत ही प्रशंसनीय है । सरस्वती शिक्षा संस्थान के अनुसार विद्यालय में सभागृह का होना अनिवार्य है क्योंकि सभागृह में वंदना, विभिन्न प्रतियोगिता, खेल आदि का आयोजन किया जाता है । सरस्वती शिशु मंदिर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शिक्षा प्रदान की जाती है हिंदी, अंग्रेजी, गणित, संस्कृत, वैदिक गणित एवं क्षेत्रीय भाषा उड़िया का ज्ञान दिया जाता है । मूर्ति कला, रंगोली, पेंटिंग, बागवानी आदि का कार्य सिखाया जाता है । साथ ही शारीरिक, योग, संगीत, आध्यात्मिक एवं नैतिक शिक्षा प्रदान की जाती है । इससे भैया बहनों का शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक विकास होता है । कार्यक्रम में सरस्वती शिक्षा संस्थान एवं सरायपाली व्यवस्थापक श्रीमती सरिता साहू, प्रधानाचार्य रमेश प्रधान, अध्यक्ष विष्णु प्रसाद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष घांसीराम अग्रवाल, सदस्य सरिंदर सिंह, पिथौरा अध्यक्ष बोधीराम चौधरी, प्राचार्य श्रीमती गायत्री राजपूत, आचार्या सावित्री प्रजापति, बसना से रघुवीर प्रसाद श्रीवास्तव, आनंद राम मदनानी, रमेश कर, सुभाष चंद्र शर्मा, सतीश चंद्र बेहरा, जितेंद्र अग्रवाल, सौम्यरंजन कानूनगो, तरुण दास, सुभाष प्रधान, सांवर अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, दयामणी सिदार, भाजपा मंत्री जन्मजय साव, रमेश अग्रवाल, धनेश्वर साहू, सुशील कुमार कानुनगो, भाजपा अध्यक्ष नरेंद्र यादव विद्यालय के प्राचार्य धनुर्जय साहू, प्रधानाचार्य भरोसराम साव एवं समस्त आचार्य बन्धु,भगिनी और पालकगण उपस्थित थे ।

बीएसपी अधिकारियों के गलत जानकारी, देने पर न्यायालय ने टीआई से मांगा जवाब

बीएसपी अधिकारियों के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कि है या नहीं, मांगा प्रतिवेदन

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। दुर्ग, भिलाई इस्पात संयंत्र को हानि पहुंचाने के उद्देश्य से जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड को 1.74 हेक्टेयर भूमि लाइसेंस पर रेलवे लाइन एवं यार्ड देने का जिक्र किया गया था। इस पर परिवादी द्वारा जब बीएसपी के अधिकारियों से इस संबंध में जानकारी चाही तो उसे गलत जानकारी दी गई। इस पर परिवादी ने बीएसपी के उच्च अधिकारियों बीएसपी के पूर्व निदेशक अर्निबन दास गुप्ता, महाप्रबंधक कैलाश मल्होत्रा, महाप्रबंधक नंदिनी खदान पी एक्का, उप महाप्रबंधक अब्दुल शमीम खान के खिलाफन्यायालय में परिवाद दायर किया था। इस मामले को लेकर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दुर्ग भगवान दास पनिका की कोर्ट ने नंदिनी थाना प्रभारी को निर्देश देते हुए कहा कि उक्त परिवाद को लेकर थाना में सूचना रिपोर्ट दर्ज है या नहीं इसके संबंध में प्रतिवेदन 11 अगस्त या इससे पूर्व न्यायालय के समक्ष पेश करें। मामले के संबंध में जानकारी देते हुए अधिवक्ता रामबाबू गुप्ता एवं सुरुचि पाटनी ने बताया कि सामाजिक कार्यकर्ता प्रार्थी उमेश पासवान निवासी नंदिनी नगर ने बीएसपी के अधिकारियों से जन सूचना अधिकारी से सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत जानकारी मांगी थी कि मेसर्स जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड को 1.74

हेक्टेयर भूमि लाइसेंस पर रेलवे लाइन एवं यार्ड देने का जिक्र किया गया है। इस पर जानकारी दी गई कि मेसर्स जेके लक्ष्मी सीमेंट को 1.74 हेक्टेयर भूमि लाइसेंस के आधार पर इस्पात मंत्रालय भारत सरकार के अनुमोदन के पश्चात केवल रेलवे लाइन हेतु लाइसेंस बेसिस पर भूमि दिया गया है। जब आवेदक द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर से जानकारी मांगी कि मेसर्स स्टील लिमिटेड नंदनी लाइम स्टोन माइंस भिलाई से लेकर भिलाई तीन तक रेलवे लाइन विस्तार निविदा एवं अनुबंध से संबंधित दस्तावेज दिया गया है क्या। तब दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर ने लिखित में जवाब दिया कि स्टील लिमिटेड लाइम स्टोन नंदिनी माइंस भिलाई और रायपुर संभाग के इंजीनियरिंग विभाग के बीच ऐसा कोई अनुबंध निष्पादित नहीं किया गया है। इस बात को अधिकारियों द्वारा छुपाया गया था। अधिवक्ता राम बाबू गुप्ता ने बताया कि अधिकारियों द्वारा छल कपट पूर्वक तथा कूट रचना करते हुए कूट रचित दस्तावेज तैयार कर लगभग 1.74 हेक्टर भूमि को जेके लक्ष्मी सीमेंट मलपुरी खुर्द को रेलवे लाइन एवं यार्ड की उपयोग हेतु अवैध रूप से दे दिया गया, जिससे प्रतिमाह करोड़ों रुपए की क्षति हो रही हैं भिलाई इस्पात संयंत्र के अधिकारी केंद्र की भूमि देने की गाइडलाइंस को भी दरकिनार कर दिए हैं वही माननीय न्यायालय बिलासपुर के भी आदेश को अवमानना कर मेसर्स जे. के. लक्ष्मी सीमेंट मलपुरी खुर्द को भूमि रेलवे लाइन एवं यार्ड के लिए दी है। अनावेदक गणों द्वारा करोड़ों की क्षति पहुंचाई जा रही है। आवेदक उमेश पासवान द्वारा अनावेदक गणों के विरुद्ध लिखित शिकायत करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होने पर न्यायालय में धारा 175 (3) के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने एवं अन्वेषण करने का आवेदन प्रस्तुत किया था। इस पर न्यायालय द्वारा नंदिनी थाना प्रभारी को निर्देशित कर जवाब मांगा गया है।

खबर-खास

नक्सल सचिंग के दौरान नक्सलियों द्वारा जंगल में डंप किया हुआ राशन समाग्री बरामद, जिला बल गरियाबंद ई-30, कोबरा 207 वाहिनी की संयुक्त कार्यवाही

गरियाबंद। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश में नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है,इसी दौरान इंदागांव एरिया के जंगलों में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर 2 जून को जिला बल गरियाबंद ई-30,सी.आर.पी.एफकोबरा 207 वाहिनी की संयुक्त टीम द्वारा इंदागांव एरिया में सर्चिंग गस्त हेतु रवाना हुआ था। जो प्रात: थाना मैनपुर क्षेत्रातंर्गत तौरेंगा जंगल में नक्सलियों की उपस्थिति पायी गयी ।जो सुरक्षाबलों को अपनी ओर आते देख कर नक्सली घने जंगल की आड़ लेकर भागने में सफ्ल हुए ।सुरक्षाबलों को एरिया सचिंग के दौरान दैनिक उपयोगी के समान एवं राशन समाग्री बरामद हुये। गरियाबंद पुलिस का अपील शासन के आत्मसमर्पण निती के तहत समाज के मुख्यधारा से जुड़ने के लिए नजदिकी थाना,चौकी,कैम्प एवं दूरभाषा नम्बर 94792-27805 पे संपर्क कर आत्मसमर्पण कर सकते है।आत्मसमर्पण के बाद सुविधा सुख,शांति,विना डर, स्वतंत्रता के साथ जीवन,परिवार के साथ खुशहाल जीवन,स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण की सुविधा,नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधा, आवास का सुविधा,शासकीय नौकरी का लाभ मिलेगा।

बाइक की आमने-सामने भिड़ंत में एक की मौत, दो गंभीर घायल

गरियाबंद। रायपुर-देवभोग नेशनल हाईवे पर सोमवार सुबह करीब 9 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया।जिला मुख्यालय गरियाबंद से लगभग 5 किलोमीटर पहले,ग्राम मालगांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के विषय में प्राप्त जानकारी के अनुसार,ग्राम बारूका निवासी सोहन ध्रुव और ऋतिक नेताम एक बाइक से बारूका से गरियाबंद की ओर आ रहे थे।दूसरी ओर धमतरी जिले के भीडकूड़िया निवासी नारायण साहू अपनी बाइक से गरियाबंद से लौट रहे थे। इसी दौरान मालगांव के पास ढलान में दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।हादसे में नारायण साहू की मौके पर ही मौत हो गई।वहीं ऋतिक नेताम को गंभीर चोटें आई हैं, जिसे प्राथमिक इलाज के बाद रायपुर रेफर कर दिया गया है।सोहन ध्रुव भी घायल हुआ है और उसका इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और ढलान पर संतुलन बिगड़ना हादसे की वजह मानी जा रही है।

निधन : प्रेमलता श्रीवास्तव

दुर्ग। भिलाई 3 बिजली कालोनी निवासी प्रेमलता श्रीवास्तव 66 वर्ष पत्नी स्व. सुनील श्रीवास्तव का सोमवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार भिलाई 3 मुक्तिधाम में किया गया। वे सूरज श्रीवास्तव, प्रियंका श्रीवास्तव की माताजी और समक्ष वर्मा की सास थी।

Walk in Interview

छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा संचालित सूत्र समाज सेवी संस्था लक्ष्यगत परियोजना बालोद हेतु

(1) 1 पद परामर्शदाता

योग्यता - एमए सोशियोलॉजी/ **MSW**

पीजीडीसीए/डीसीए ,1से 2वर्ष का कार्यानुभव

वेतन- 16000 +1200 टीए

(2) 2 पद आउट रिच वर्कर

योग्यता -12वी/स्नातक,

वेतन- 10500/- +1500/टीए

(टीप - बाइक होना अनिवार्य है)

साक्षात्कार - दिनांक 07/06/2025,

समय - सुबह 10.30 बजे से 2 बजे तक

पता- मधुबन कॉलोनी, स्पंदना बैंक के पास , कुंदरु पारा, बालोद

मो. न. 7000748796, 07749299048

श्री सतगुरू कबीर साहब के 627 वें प्राकट्य उत्सव एवं संत समागम समारोह में शामिल हुए विजय शर्मा

इंडोर स्टेडियम को अब आचार्य पंथ श्री हकनाम साहब बहुउद्देशीय स्टेडियम के नाम से जाना जाएगा

कवर्धा (समय दर्शन)। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा आचार्य पंथ श्रीगृन्धमुनि नाम साहब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में स्थित इंडोर स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय श्री सतगुरू कबीर साहब के 627 वें प्राकट्य उत्सव एवं संत समागम समारोह में शामिल हुए। इस भव्य आयोजन में संत-महात्मा, अनुयायी, एवं श्रद्धालु एकत्र हुए थे। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने श्री सतगुरू कबीर साहब के तैल्य चित्र में पूजा-अर्चना, पुष्प अर्पण कर बंदगी किया। उन्होंने श्रद्धा के साथ सतगुरु के आदर्शों को नमन करते हुए पंथ श्री हुजूर नवोदित वंशाचार्य उदित मुनि नाम साहब से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सहित विशेष रूप से कबीरधाम जिले की शांति, समृद्धि और खुशहाली की मंगलकामना की।

समारोह के दौरान पंथ श्री उदित मुनि नाम साहब ने उपमुख्यमंत्री शर्मा से कबीरपंथियों की मांग पर कवर्धा शहर में कबीरदास जी का एक स्मृति-चिह्न स्वरूप चौक बनाए जाने का आग्रह किया। इस पर त्वरित निर्णय लेते हुए उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने लोहारा रोड कवर्धा में एक अत्यंत सुंदर एवं भव्य चौक निर्माण की घोषणा की। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि आचार्य पंथ श्रीगृन्धमुनि नाम साहब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में स्थित इंडोर स्टेडियम को अब आचार्य पंथ श्री हकनाम साहब बहुउद्देशीय स्टेडियम के नाम से जाना जाएगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। संत कबीर साहब के आदर्शों को आत्मसात करने और सामाजिक समरसता के संदेश को आगे बढ़ाने का यह समारोह प्रदेश में आध्यात्मिक एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बना।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बेहद भावुक और गर्व से भरे शब्दों में कबीरधाम जिले की पहचान और संत कबीर साहब के प्रति लोगों की आस्था को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आपने सबके मन की बात कही है, और मैं आज कबीरधाम जिलेवासियों की मन की बात कह रहा हूँ। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि जब जिले का कोई व्यक्ति बाहर जाता है और अपने परिचय में कहता है कि मैं कबीरधाम से आया हूँ, तो उसमें केवल एक भौगोलिक पहचान नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक गौरव और संत कबीर साहब के चरणों में जुड़ाव का भाव होता है। उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि कबीरधाम केवल एक जिला नहीं है, बल्कि यह एक आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है, जो संत कबीर साहब के विचारों, शिक्षाओं और उनके सामाजिक क्रांति के संदेश से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि दुनिया में शायद ही कोई ऐसा जिला होगा, जिसके लोग इतने गर्व से अपनी पहचान 'कबीरधामवासी' के रूप में करते हों। इस दौरान पंथ श्री उदितमुनि नाम साहब ने अपने प्रवचनों में संत कबीर साहब के वचनों की महिमा का विस्तार से वर्णन किया।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि कबीरधाम जिले का शासकीय महाविद्यालय भी संत परंपरा से गहराई से जुड़ा हुआ है। इस महाविद्यालय का नाम आचार्य पंथ श्री गृन्धमुनि नाम साहब के नाम पर रखा गया है, जो कबीर पंथ की ज्ञान परंपरा के अग्रदूतों में से एक हैं। यह नामकरण विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक चेतना का वाहक भी है। श्री शर्मा ने संत कबीरदास जी के आदर्शों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संत कबीर साहब ने समाज को जात-पात, ऊँच-नीच, और बाह्य आडंबर से ऊपर उठकर मानवता, समानता और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि कबीर साहब की वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी सदियों पहले थी। उनके दोहे, उनके विचार हमें सच्चे अर्थों में एक आदर्श समाज की ओर ले जाते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कबीरधाम जिले की जनता के दिल में संत कबीर साहब का घर है। यहाँ की माटी में उनकी महक है, और यहाँ के लोगों की जीवनशैली में उनके विचार बसे हुए हैं।

राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान सह राष्ट्रीय शैक्षिक संप्रवाह 2024-25 का हुआ भव्य आयोजन

गरियाबंद जिले से चार शिक्षक/शिक्षिका नवाचारी राष्ट्रीय शिक्षा रत्न से सम्मानित

गरियाबंद (समय दर्शन)।नवाचारी गतिविधियाँ समूह भारत जो देश के सभी राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों से जुड़ा एक मात्र एवं सबसे बड़ा स्व-प्रेरित नवाचारी शिक्षक समूह है, इसके छत्तीसगढ़ टीम द्वारा राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान सह शैक्षिक संप्रवाह 2024-25 का आयोजन 29 मई 2025 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रायपुर सह एस.सी. ई.आर.टी. मे आयोजित हुआ.जिसमे पूरे छत्तीसगढ़ से 155 शिक्षक/शिक्षिकाओ का सम्मान हुआ।इस कार्यक्रम मे अतिथि के रूप मे जे.पी.रथ अपर संचालक एस.सी. ई.आर.टी.,डॉ.बी.रघु सहायक संचालक एस.सी. ई.आर.टी.,बी. एल.देवांगन डाईट प्राचार्य,डॉ.एस के जैन डाईट रायपुर, के.के साहू डाईट रायपुर,समूह प्रमुख संजीव कुमार सूर्यवंशी सहित छत्तीसगढ़ की एडमिन टीम उपस्थति रहे।

इस भव्य कार्यक्रम में गरियाबंद जिला के विकास खंड मैनपुर से आलोक कुमार शर्मा,वि.ख.देवभोग से बलराम साहू ,वि. ख.फिंगेश्वर से मीनाक्षी शर्मा और समीक्षा गायकवाड़,वि.ख.छुरा से टिकेश्वर महिलांगे को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रमाण पत्र, मेमोंटो,भेंट कर अतिथियो द्वारा सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम के सफ्ल आयोजन के लिए समूह प्रमुख संजीव कुमार सूर्यवंशी सहित गरियाबंद जिला टीम से लोकेश्वर सोनवानी का सतत सहयोग रहा। इस समूह से जुड़े सभी टीम मेबर शासकीय विद्यालय मे पदस्थ शिक्षक है जो सरकारी विद्यालय मे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए आपस मे जुड़कर अतिरिक्त प्रयास कर रहे है.ये 2017 से लगातार प्रयासरत है एवं पिछले 4 वर्षो से लगातार इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे है.इस कार्यक्रम की पूरी योजना,क्रियान्वयन,संचालन एवं समस्त व्यय इन शिक्षको द्वारा ही किया जाता रहा है. कई चरणों में हुआ अवार्ड के लिए चयन--समूह प्रमुख एवं जिला टीम ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन 2024 में होना था पर स्थानीय चुनाव के चलते इसे आगे बढ़ाया गया था। इसमें कई चरणों के बाद अवार्ड के लिए छत्तीसगढ़ राज्य सहित अन्य राज्यों के शिक्षकों का चयन हुआ है।सर्वप्रथम इसके लिए वेबसाईट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किया गया। पूरे देश से 700+ से भी ज्यादा नॉमिनेशन प्राप्त हुए जिसको स्कूटनी एवं शॉर्टलिस्ट कर चयन समिति द्वारा संबंधित शिक्षकों का साक्षात्कार लिया गया एवं सबंधित से उनके कार्यो के प्रमाण में दस्तावेज मांगे गए हैं। दस्तावेजों का उच्च चयन समिति एवं जिला टीम के प्रमाणीकरण के पश्चात चयन सूची जारी किया है। जिसमें ग्राउंड लेवल पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक शामिल हैं. जिनको राष्ट्रीय नवाचारी शिक्षा रत्न सम्मान 2024-25 से सम्मानित किया गया।

आश्रम - छात्रावासों में बच्चों के रहने-पढ़ने का बेहतर माहौल करें सुनिश्चित - कलेक्टर उईके

कलेक्टर ने आश्रम-छात्रावास अधीक्षकों की बैठक में दिए निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उइके ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के आश्रम एवं छात्रावास अधीक्षकों की बैठक ली। उन्होंने आगामी शिक्षा सत्र के मद्देनजर आश्रम - छात्रावासों में बच्चों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करते हुए उनके रहने और पढ़ने का बेहतर माहौल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नये सत्र के प्रारंभ से पूर्व छात्रावास परिसर की साफ -सफाई एवं आवश्यक व्यवस्था दूरूस्त करने के निर्देश दिये,जिससे बच्चों को रहने एवं पढ़ाई में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।कलेक्टर ने कहा कि बच्चों को बढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक,बौद्धिक एवं व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान करें। साथ ही समसामयिक ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रतिदिन समाचार पत्रों के पाठन का भी आदत डलवाए।उन्होंने बच्चों को घर जैसे माहौल में पढ़ाई एवं रहने की सभी व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश अधीक्षकों को दिये। कलेक्टर ने अधीक्षकों को कहा कि छात्रावास में स्वयं सभ्य,मृदुशील एवं आकर्षक व्यक्तित्व के साथ रहे,जिससे बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बच्चे सभ्य जीवन शैली के लिए प्रेरित होते है।उन्होंने कहा कि आश्रम छात्रावासों में बच्चों के बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए अधीक्षकगण समर्पित भाव से रूचि लेकर कार्य करें। समय सारणी बनाकर उनका अनुपालन सुनिश्चित करवाएं। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि छात्रावास में सफाई सफाई व्यवस्था बनाएं रखे।सभी कमरों के अलावा परिसर को भी स्वच्छ रखे। बरसात के मौसम के मद्देनजर परिसर में जल भराव न होने दे।जिससे मच्छर,मक्खी एवं गंदगी का खतरा नहीं रहेगा। मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए बच्चों का नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने की भी व्यवस्था पहले से सुनिश्चित करे। आवश्यकतानुसार मलेरिया जांच एवं दवाइयों का वितरण कराएं। साथ ही छात्रावासों में गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्रियों का उपयोग करें। कलेक्टर ने खाद्य पदार्थों का व्यवस्थित भंडारण भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सहायक आयुक्त श्री भगत ने कहा कि बच्चों के बेहतर विकास के लिए छात्रावासों में शासन द्वारा सभी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। उन्होंने अधीक्षकों से छात्रावास में पर्याप्त भवन, बिजली, पानी, शौचालय, भोजन, बेड, गद्दा एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों की जानकारी ली।

* **धमतरी।** अग्निवीर भर्ती लिखित परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों परीक्षा की तैयारी के लिए मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन धमतरी द्वारा 10 दिवसीय नि:शुल्क प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण स्थानीय नत्थूजी जगताप नगर निगम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 3 जून से शुरू होकर 12 जून 2025 तक चलेगा।

नाम परिवर्तन

मैं शहनाज बानो पिता मो. जिलानी भिंडसरा निवासी मकान नं. 443 वार्ड नं. 41. मुस्लिम सांस्कृतिक भवन के सामने केलाबाड़ी दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग छ.ग.,मेरे नाम से जारी आधार कार्ड में मेरा नाम शहनाज बानो (SHAHNAZ BANO) पिता मो जिलानी भिंडसरा (MO JILANI BHINDSARA) अंकित है। इसी प्रकार नाम मेरे नाम से जारी मतदाता परिचय पत्र मे मेरा नाम शहनाज बानो (SHAHNAZ BANO) पिता मो जिलानी भिंडसरा (MO JILANI BHINDSARA) अंकित है। इसी प्रकार मेरे नाम से पैन कार्ड में मेरा नाम SHAHNAZ BANO पिता MO JILANI BHINDSARA अंकित है।

मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों व दाखिला पंजी में मेरा नाम SHAHNAZ BANO पिता JILANI BHINDSARA अंकित है। खुलानामा आपसी समझौता के दस्तावेजों में मेरा नाम शहनाज परवीन पिता हाजी जिलानी भिंडसरा अंकित है। मेरे सही व वास्तविक शहनाज बानो (SHAHNAZ BANO) पिता मो जिलानी भिंडसरा (MO JILANI BHINDSARA) के नाम से गजट प्रकाशन करवाने इसी आधार पर शैक्षणिक दस्तावेजों एवं अन्य दस्तावेजो में अंकित करवाने के समर्थन में यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ती

न्यायालय तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग छ.ग.

राप्रक:202505100900159 अ-6 वर्ष 2024 25

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम पाटन प.ह.नं. 35 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाषित किया जाता है कि आवेदक डेविड पिता रामरतन निवासी ग्राम पाटन द्वारा ग्राम पाटन प.ह.नं. 35 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1267/2 रकबा 1000 वर्गफुट भूमि को भूमिस्वामी रामरतन पिता भैयाराम द्वारा पंजीकृत दानपत्र दिनांक 29.04.2025 के आधार पर आवेदक अपने नाम नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक डेविड पिता रामरतन निवासी ग्राम पाटन द्वारा पंजीकृत दानपत्र से उपरोक्त दर्षित दानप्राप्त भूमि आवेदक के नाम नामांतरण की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो आप अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 23.06.2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पष्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह इश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं मदमुद्रा के साथ आज दिनांक 31.05.2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

तहसीलदार
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांक : 202503104500020

विषय:- ब-121मामले की श्रेणी:- राजस्व
सन:-2024-2025
उफ्रा (प ह न. 00005),
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार
किरण दूबे पति विकास दूबे,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम उफ्रा प.ह.नं. 5 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक किरण दूबे पति विकास दूबे के आम मुख्तियार विकास दूबे पिता बद्रीप्रसाद निवासी रायपुर द्वारा ग्राम उफ्रा प.ह.नं. 5 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित खसरा 784/1, 784/7 रकबा 0.61, 0.41 हे. को विक्रेता नलिनी शर्मा पति विकास, कीर्ति जेसवानी पति विकास जेसवानी से दिनांक 30.01.2014 को क्रय कर पटवारी अभिलेख में दुरूस्त होने बाद भुईयां अभिलेख में खसरा नंबर 784/1 रकबा 0.61 हे. पूर्ववत विक्रेता के नाम पर दर्ज होने से आवेदिका के नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत आधार पर प्रकरण विचाराधीन है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 20.06.2025 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 29/05/2025 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
तहसील पाटन

ग्राम मर्रा में सम्पन्न हुआ फिट इंडिया साइकल रैली का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। 3 जून को विश्व साइकिल दिवस का आयोजन किया जाता है. छत्तीसगढ़ में विश्व साइकिल दिवस को लेकर भी कई तरह के इवेंट होते हैं. रविवार 1 जून फिट इंडिया इवेंट के तहत भारतीय खेल विकास प्राधिकरण एवं संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग दुर्ग द्वारा विश्व सायकल दिवस के अवसर खेलों इंडिया लघु कबड्डी ट्रेनिंग सेंटर मर्रा की तरफसे खेलों इंडिया लघु केंद्र मर्रा के प्रशिक्षक इंडिया कैंप अटेंड करने वाले श्री भरत लाल ताम्रकार एवं मर्रा स्कूल के पीटीआई श्री संतोष यादव जी के नेतृत्व में साइकिल रैली का आयोजन किया गया.साइकिल रैली में कुल 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें बच्चे, युवा एवं बुजुर्ग शामिल हुए साइकिल रैली 12 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए ग्राम मर्रा से आमालोरी, गुड़ियाडी, गाड़ाडीह होते हुए मर्रा पहुंची, इस

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शाला विकास समिति के अध्यक्ष खिलेश वर्मा, वरिष्ठ नागरिक सदस्य लाला राम वर्मा, गाड़ाडीह उपसरपंच सदस्य टोपेन्द्र वर्मा, नवगेंद्र देवांगन, ईश्वरी देशमुख, सुश्रीत यादव, पुरेन्द्र तिवारी, एवं अंतर्राष्ट्रीय योग खिलाड़ी धीरेन्द्र वर्मा प्रमुख रूप से सम्मिलित हुए उपस्थित अतिथियों ने सभी प्रतिभागियों को विभाग द्वारा प्रदत्त फिट इंडिया के तहत प्रशस्ति पत्र का वितरण किया ।

लाइफस्टाइल को बढ़ावा देने और पर्यावरण संरक्षण का कार्य भी साइकिल के जरिए होता है. पर्यावरण संरक्षण और नागरिकों को फिट रहने के लिए यह साइकिल रैली आयोजित की गई है. हम सभी को हर रविवार को साइकिल चलाने की आदत डालनी चाहिए. यह एक सरल, सुलभ और प्रभावी उपाय है. इससे स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों की रक्षा होती है ।

प्रणव शर्मा ने नन्ही बालिका से फीता कटवा कर घुघुवा में आंगनवाड़ी केंद्र क्र. 02 का कराया शुभारंभ

■ सुनहरे भविष्य गढ़ने को तैयार – नया आंगनबाड़ी, घुघवा!

पाटन। क्षेत्र के लोकप्रिय जनपद सभापति प्रणव शर्मा के गृह ग्राम नारायणपुर (घुघुवा) में नन्ही बालिका के कर कमलों से फीता काट कर आंगनवाड़ी केंद्र क्र. 02 का विधिवत शुभारंभ किया गया, इस अवसर पर सभापति प्रणव शर्मा जी ने कहा बच्चों के बीच आज अपने आप को पाकर बचपन की यादे ताजा हो गई, बच्चों के भविष्य संवारने के लिए हम सब संकल्पित हैं, गांव का बच्चा बच्चा पढ़ेगा तब देश-प्रदेश आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर ग्राम पंचायत घुघुवा क की सरपंच शैलेंद्री ढाल सिंह साहू, आंगनवाड़ी सुपरवाइजर संध्या सिंह मैडम, कार्यकर्ता राधिका देवांगन एवं पंचगण व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने ह्क्ष्ट बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में खुशबू नाग की जीत को सराहा,कहा-बेटियों के लिए प्रेरणादायक संदेश

■ NPC इंटरनेशनल बॉडी बिल्डिंग में खुशबू नाग की ऐतिहासिक जीत

■ खुशबू नाग की जीत पर गर्व-विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कहा, 'बेटियां हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकती हैं

■ विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने खुशबू नाग की ऐतिहासिक सफलता पर दी शुभकामनाएं,कहा- तुम्हारी उड़ान हर बेटी के सपने को पंख देगी

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर की बेटी खुशबू नाग ने अपनी मेहनत, लगन और साहस से ह्क्ष्ट रीजनल इंटरनेशनल बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर न केवल बस्तर और छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश का नाम रोशन किया। उनकी इस उपलब्धि पर बसना के विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने विशेष रूप से उन्हें बधाई दी और कहा कि खुशबू ने साबित कर दिया कि जब कोई बेटी अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्प लेती है, तो वह इतिहास रच सकती है। विधायक डॉ अग्रवाल ने कहा, खुशबू नाग ने सिर्फएक पदक नहीं जीता, बल्कि हर उस सपने को हौसला दिया है जिसे बेटियों ने देखने की हिम्मत की है। यह जीत उनके संघर्ष, मेहनत, आंसुओं और उम्मीदों की जीत है। उन्होंने पूरे राज्य को गौरवान्वित किया है और अपनी कड़ी मेहनत से यह संदेश दिया है कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकती हैं।

इस अवसर पर विधायक डॉ. अग्रवाल ने खुशबू को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी यह जीत समाज में बेटियों की क्षमता और आत्मनिर्भरता को दर्शाती है। खुशबू, तुम्हारी उड़ान हर बेटी के सपनों को पंख देगी। उन्होंने कहा आगे बढ़ो, और अपने हौसले की चमक से दुनिया रोशन करो।

क्षेत्रीय स्तर पर इस उपलब्धि को लेकर लोगों में उत्साह और गर्व की भावना है। खुशबू की इस सफलता ने कई युवाओं को प्रेरित किया है और उनके अथक परिश्रम को सराहा जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और खेल संघ ने भी उन्हें बधाई दी और भविष्य में उनके और भी बड़े मंचों पर सफलता की उम्मीद जताई।

बेटियों की बढ़ती उपलब्धियों के बीच खुशबू नाग की यह उपलब्धि एक नई मिसाल है, जो न केवल खिलाड़ियों को बल्कि पूरे समाज को प्रेरित करने का कार्य करेगी।

भाटापारा कैट इकाई की नवीन कार्यकारिणी का गठन, सुरेश वर्मा बने अध्यक्ष

भाटापार (समय दर्शन)। भाटापारा कैट (कॉन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स) इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक 1 जून को संपन्न हुई, इस बैठक में संरक्षक मंडल की उपस्थिति में सर्वसम्मति से नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में सभी सदस्यों ने एकमत होकर अपने विचार रखे और संगठन को नई ऊर्जा देने हेतु नए पदाधिकारियों का चयन किया गया।बैठक में निम्नलिखित पदाधिकारियों की घोषणा की गई, जिसमें संरक्षक मंडल कृष्ण कुमार मूंदड़ा,कमलेश कुकरेजा,गिरधर गोविंदनी,अनिल रोचलानी, अध्यक्ष सुरेश वर्मा,कार्यकारी अध्यक् रमेश श्रीमाली,अजय मॉंधान,उपाध्यक्ष तोरण साहू, लक्ष्मीनारायण (लड्डू) सोनी, देवेंद्र पटेल,सचिव आकाश अग्रवाल,सह-सचिव राजेश गुप्ता,तरुण सचदेव,सुनील दुबे, कोषाध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य आशीष भट्टर,शत्रुघन परिपायनी, मानसिंह खालसा,विनोद कुमार केसरवानी,अनिल गंगवानी बैठक में प्रमुख रूप से कृष्ण कुमार मूंदड़ा, गिरधर गोविंदनी, सुरेश वर्मा, रमेश श्रीमाली, लक्ष्मीनारायण (लड्डू) सोनी, विनोद केसरवानी, आकाश अग्रवाल, तोरण साहू, अजय मनधानी,राधेश्याम शर्मा, तरुण सचदेव, देवेंद्र पटेल एवं आशीष भट्टर उपस्थित रहे। बैठक के समापन पर नव-निर्वाचित अध्यक्ष सुरेश कुमार वर्मा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि वे सभी सदस्यों को साथ लेकर व्यापारियों के हितों की रक्षा हेतु सदैव तत्पर रहेंगे।

छत्तीसगढ़ निषाद केंवट समाज बालोद द्वारा आयोजित वार्षिक अधिवेशन एवं सम्मान समारोह

भानुप्रताप साहू

बालोद (समय दर्शन)। विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अर्जुंदा ब्लॉक के ग्राम भिलाई (चीचा) में छत्तीसगढ़ निषाद (केंवट) समाज जिला बालोद द्वारा आयोजित वार्षिक अधिवेशन एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि कुंवर सिंह निषाद विधायक गुंडरदेही एवं प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ निषाद केंवट समाज ,अध्यक्षता ललित चंद्राकर विधायक दुर्ग ग्रामीण शामिल होकर भगवान रामचंद्र की छायाचित्र पर फूलमाला अर्पित कर पूजा अर्चना कर प्रदेश एवं क्षेत्र वासियों के खुशहाली के लिए कामना किया।

विधायक सभा को संबोधित करते हुए क्षेत्र में सात जगह निषाद सामुदायिक भवन 70 लाख एवं ग्राम भिलाई में 10 लाख का सर्व सामुदायिक भवन हेतु राशि देने का घोषणा किया। विधायक ने सभी पदाधिकारियों को समाज के संविधान के अनुरूप एवं समाज हित में काम करने और एकजुटता का परिचय देते हुए समाज को जोड़ने के लिए कहा है।निषाद समाज को सामाजिक राजनीतिक व आर्थिक मजबूती के लिए कार्य करना है। जब तक समाज में शिक्षा व संस्कार नहीं बढ़ेगा तब तक समाज आगे नहीं बढ़ पाएगा। समाज के सभी कार्यक्रम में हमारे समाज के महान व्यक्तियों का संस्मरण करना चाहिए। समाज में व्याप्त कुरीतियों का त्याग कर सामाजिक एवं राष्ट्रीय मुख्य धारा से जुड़े।दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने समाज के विकास और उपलब्धियों की सराहना की। विधायक ने कहा कि आज का कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि शिक्षा, खेल, और व्यवसाय के क्षेत्र में समाज के युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।विधायक जी ने छत्तीसगढ़ राज्य के 10 वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट तीसरा स्थान हासिल करने वाले छात्रा को बधाई दी। उन्होंने कहा मैं उनके माता-पिता को भी बधाई देना चाहता हूँ, जिन्होंने अपने बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया।

इस अवसर पर राजेंद्र कुमार निषाद अध्यक्ष जिला निषाद समाज बालोद, श्रीमति तारिणी पुष्पेंद्र चंद्राकर अध्यक्ष जिला पंचायत बालोद, गुलशन चंद्राकर जिला पंचायत सदस्य,श्रीमति नेम चुम्मन अटलखाम जनपद सदस्य, परस निषाद जी सरपंच ग्राम पंचायत भिलाई, संतोष निषाद जी,छगन लाल विनायक,गोपी राम निषाद,रविन्द्र निषाद,तोरण परकार, तोमन निषाद,राजेंद्र निषाद,गेंद लाल निषाद , बहुसिंग निषाद,राम प्रसाद निषाद,मनोहर लाल निषाद, अशोक निषाद, नन्द कुमार निषाद,श्रीमति गायत्री केवट सहित समस्त जिला पदाधिकारी समस्त परिक्षेत्र अध्यक्ष का एवं सामाजिक जन भारी संख्या में उपस्थित रहे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान : उन्नत तकनीकों, फसल विविधीकरण और सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

भाटापारा (समय दर्शन)। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत शनिवार को विकासखंड भाटापारा के सहकारी समिति धनेली एवं मोपका, विकासखण्ड सिमगा के मनोहरा एवं डोंगरिया एवं विकासखण्ड पलारी के दतान-प व पलारी में विकसित कृषि संकल्प अभियान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 689 कृषक एवं 55 जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी की उपस्थिति रहे।

शिविर में किसानों को धान बुवाई के पूर्व बीजोपचार का लाईव प्रदर्शन कराया गया एवं धान की कतार बोनी

(डीएसआचे पेडी ट्रांसप्लांटर से रोपाई तथा सोयाबीन की बीबीएफ पद्धति एवं उन्नत फार्म मशीनरी का उपयोग जैसे विषयों में किसानों को प्रशिक्षित किया गया। किसानों को प्राकृतिक व जैविक खेती, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार संतुलित उर्वरक के उपयोग, कृषि ड्रोन के माध्यम से उर्वरक छिड़काव, और आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग की जानकारी दी गई। कृषि विज्ञान केंद्र एवं इफ्को के सहयोग से ड्रोन का लाइव प्रदर्शन कर किसानों को इसकी कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। शिविर में विशेष रूप से फसल चक्र परिवर्तन, फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड ऑयल पाम एग्रीस्टैक योजना, पराली प्रबंधन एवं जल संरक्षण तकनीकों पर विस्तार से जानकारी दी गई। शिविर में किसानों को बीज, उर्वरक और अन्य कृषि आदान सामग्री का वितरण जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया।

शिविर में कृषि विभाग, समवर्गीय विभाग, कृषि महाविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, उद्यान विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-खबर

वार्ड 12 मंगल भवन में लगा समाधान शिविर

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। नगर पालिका परिषद अहिवारा के वार्ड क्रमांक 12 में सुशासन तिहार के तहत समाधान शिविर लगाया गया । जिसमें शासन के प्रशासनिक अधिकारी तहसीलदार राधेश्याम वर्मा नगर पालिका परिषद अहिवारा सीएमओ अंकुर पांडे नगर पालिका अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा वार्ड 12 पार्षद इंद्रजीत राउत अन्य पार्षद वे नगर पालिका परिषद अहिवारा के कर्मचारी उपस्थित रहे । शिविर में शासन के कई विभाग जैसे स्वास्थ्य,राजस्व,खाद्य,नल जल, खनिज,पुलिस वे अन्य कई महत्वपूर्ण विभाग को लगाया गया। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी जिला उपाध्यक्ष कौशल साहू अहिवारा नगर अध्यक्ष आशुतोष साहू वे छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा के महामन्त्री कमलेश मारकंडे के द्वारा विदेशी मदिरा दुकान को दूसरे स्थान पर शिफ्ट करने के लिए,अवैध जुआ-सट्टा, शराब पर नकेल कसने वे गाड़ियों की गति पर लगाम लगाने के लिए गति अवरोधक का निर्माण जैसे कई महत्तवपूर्ण मुद्दों को लेकर ग्यापन सौंपा गया वे बिजली पानी की समस्या से भी अवगत कराया गया। सीएमओ अंकुर पांडे और नगर पालिका अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा ने जनता की समस्याओं को सुना और उनका जायजा लिया। शिविर में कितने आवेदन प्राप्त हुए और कितने का निराकरण हुआ इसकी जानकारी उपलब्ध नहीं हो पाई।

मेडिकल प्रतिष्ठानों में अनियमितता पाए जाने पर लाइसेंस निलंबित

जांजगीर-चांपा/समय दर्शन। कार्यालय उपसंचालक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला जांजगीर चांपा की टीम द्वारा मेडिकल प्रतिष्ठानों में निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के आधार पर प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किया गया है। जिसके जवाब का अवलोकन करने के पश्चात् गुण दोष के आधार पर उक्त प्रतिष्ठानों का लाइसेंस 03 से 10 दिवस के लिए निलंबित किया गया है। सहायक औषधि नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बताया कि मेसर्स विजय मेडिकल स्टोर्स, मेसर्स लक्ष्मी मेडिकल स्टोर्स, मेसर्स शंकुतला मेडिकल स्टोर्स, मेसर्स राजेश मेडिकल स्टोर्स, मेसर्स रजा मेडिकल स्टोर्स, मेसर्स शिव सती मेडिकल स्टोर्स, मेसर्स चन्द्रहास मेडिकल स्टोर्स, मेसर्स श्री मेडिकल स्टोर्स, जिला-जांजगीर चांपा एवं मेसर्स सोनम मेडिकल स्टोर्स जिला-सक्ती का लाइसेंस 03 से 10 दिवस के लिए निलंबित किया गया हैं। सहायक औषधि नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने सभी मेडिकल स्टोर्स के संचालक को निर्देशित किया है कि मेडिकल स्टोर्स का संचालन औषधि एवं सौन्दर्य प्रशाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के तहत करना सुनिश्चित करें तथा समस्त औषधी निरीक्षको को भी निर्देशित किया है कि जांजगीर-चांपा व सक्ती जिले के लगातर निरीक्षण कर उक्त अधिनियम का कड़ाई से पालन करवाये एवं समस्त मेडिकल स्टोर्स में यथा शीघ्र सीसीटीवी कैमरा लगवाना सुनिश्चित करवायें।

पाटन में बच्चों का प्रतिभा निखारने दिया जाएगा नि :शुल्क प्रशिक्षण

पाटन। जय जोहार सेवा जोहार समाज सेवी संस्थान छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पंजीकृत संस्थान है, जहां दिनांक 02 जून 2025 से पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) में विद्यार्थियों को निशुल्क कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसका शुभ आरंभ आज पाटन नगर पंचायत अध्यक्ष श्री योगेश भाले जी द्वारा किया गया, जहां विशिष्ट अतिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष आभाष दुबे जी, नगर पंचायत सभापति (राजस्व) श्री देवेंद्र ठाकुर जी, नगर पंचायत सभापति (लोक निर्माण) श्री केवल देवांगन जी, उप नेता प्रतिपक्ष दीपक यादव जी, पार्षद प्रतिनिधि सरजू साहू जी, और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले समस्त विद्यार्थीगण उपस्थित रहे, जहां कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान की अध्यक्ष सुश्री पूजा पाण्डेय जी द्वारा किया गया और कार्यक्रम का संचालन उमाशंकर निर्मलकर व लक्ष्मी निर्मल द्वारा किया गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27